

संघ के खिलाफ बोलने पर भी भाजपा के माथे पर बैठे हैं नड्डा!

भाजपा को 'खा' रहे हैं राग दरबारी

पूरा देश यह देख चुका है कि जिस तरह क्षेत्रीय स्तर पर तेलंगाना के भाजपा नेता जी किशन रेड्डी ने गोशामहल विधानसभा सीट के विधायक टी राजा सिंह को खा लिया उसी तरह राष्ट्रीय स्तर पर जेपी नड्डा ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को खा लिया। अब लीपापोती करने के लिए धनखड़ के खिलाफ जो भी बातें कही जा रही हों या राजा सिंह के बारे में कही जा रही हों, वह सब मनगढ़ंत बातें हैं... संकट-प्रबंधन के ये सब हथकंडे हैं। लब्बोलुबाव यह है कि भाजपा के राग-दरबारी भाजपा को खा रहे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि सत्ता-दंभी नेतृत्व को चाटुकार ही सुहा रहे

हैं। तेलंगाना के चाटुकार भाजपा नेताओं ने भाजपा की क्या दुर्गति बनाई, यह जगजाहिर है। पिछले दिनों शुभ-लाभ ने इस पर थोड़ी चर्चा भी की थी। राष्ट्रीय स्तर पर चाटुकारों ने भाजपा की जो दुर्दशा कर रखी है, इस पर भी बात होनी चाहिए। भाजपा की

मोदी का सक्रिय राजनीति से अवकाश होगा, तब यह साफ होगा कि भाजपा, भाजपा की वजह सके जीत रही थी या मोदी की वजह से। कोशिश भी इसी बात की है कि भाजपा की जीत का श्रेय केवल मोदी को जाए, तभी तो इतिहास में मोदी का

शुभ-लाभ समीक्षा

तीन बार की ऐतिहासिक जीत ने भाजपा को शीर्ष पर पहुंचा दिया, लेकिन बहस इस बात की हो रही है कि भाजपा के कारण भाजपा जीती या मोदी के कारण भाजपा जीती। यह भी कुछ दिनों में साफ हो जाएगा, जब नरेंद्र

नाम दर्ज होगा। भाजपा की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के योगदान और अवदान को कमतर कर आंकने और शडयंत्रपूर्वक हाशिए पर डालने की गतिविधियां कोई छुपी हुई बात थोड़े ही रह गई है। सत्ता



नेतृत्व को घेरे बैठे चाटुकार यही तो कर रहे हैं लगातार...

2024 के लोकसभा चुनाव के फ्लैशबैक में चलें। चुनाव पूरे

परवान पर था। चार सौ पार पहुंचने का अतिरिक्त आत्मविश्वास ठाठे मार रहा था। उसी अति-आत्मविश्वास की धारा पर चाटुकार दल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपनी औकात दिखाने का कुचक्र रच रहा था। जब भाजपा संगठन का

कोई बात कहता है? 18 मई 2024 को अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस को दिए साक्षात्कार में जेपी नड्डा ने कहा था, शुरुआत में हम अक्षम होंगे, थोड़ा कम होंगे, तब आरएसएस की जरूरत थी। आज हम बढ़ गए हैं। हम सक्षम हैं। भाजपा

ने मथुरा और वाराणसी के मंदिर मुद्दे पर भी कहा था, भाजपा का ऐसा कोई विचार, योजना या इच्छा नहीं है। ...और नड्डा के इस बयान ने नतीजा दिखा दिया। चार सौ पार के बजाय वैतरणी पार करने में दिक्रत खड़ी हो गई और जेडीयू एवं टीडीपी के सहारे सरकार का गठन हो पाया। लोकसभा चुनाव में भाजपा अकेले बूते पर बहुमत भी नहीं ला सकी। भाजपा को सिर्फ 240 सीटें ही मिलीं। फिर भी चाटुकारों को शर्म नहीं आई। उनका धंधा जारी है। राग दरबारियों का वर्चस्व पार्टी में इस कदर कायम है कि नड्डा अध्यक्ष पद से हटने का नाम नहीं ले रहे। ►10

शीर्ष नेताओं के चहेते हैं रेड्डी और नड्डा जैसे चाटुकार

अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद बोले कि भाजपा को संघ की कोई जरूरत नहीं। भाजपा खुद में सक्षम है। तो आप नड्डा के उस बयान के निहितार्थ समझिए। क्या आप समझते हैं कि चाटुकार अपने आका के किसी इशारे के बिना

अपने आप को चलाती है। नड्डा ने साफ-साफ लाइन खींचते हुए कहा था, आरएसएस एक सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन है। जबकि भाजपा एक राजनीतिक दल है। सबकी अपनी-अपनी भूमिका है। नड्डा

कांग्रेस बताए मुंबई हमले में आतंकी कहां से आए थे?



नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहलगाम न जाकर बिहार के चुनावी सभा में संबोधन करने को लेकर उठाए गए कांग्रेस नेता गौरव गोर्गोई के सवाल पर केंद्रीय मंत्री एवं जेडीयू नेता ललन सिंह ने कहा कि 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस था, जब पीएम मोदी मधुबनी में पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करने गए थे। वहां, पीएम मोदी ने पहली बार पहलगाम की घटना पर बात की और उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को उनकी कल्पना से परे जवाब मिलेगा।

पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा, गौरव गोर्गोई ने सेना की वीरता और साहस की एक बार भी प्रशंसा नहीं की। उनकी नजर में सैनिकों का कोई महत्व नहीं है। आतंकी घटना आज की नहीं है। ►10

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दिया दुनिया को संदेश

भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए दृढ़ है

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज लोकसभा में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर शुरू हुई 16 घंटे की चर्चा में कहा कि लड़ाई हमेशा बराबरी वालों से की जाती है, शेर कभी मेंढक पर हमला नहीं करता। पाकिस्तान पर हमला कर भारत अपना स्तर खराब नहीं करेगा। उन्होंने कहा, आतंकवाद को समर्थन देने वालों को यह स्पष्ट संदेश चला गया है कि भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। रक्षा मंत्री ने विपक्षी दलों से आह्वान किया, आइए हम सभी दलगत भेदभाव से ऊपर उठकर, संगच्छध्वं संवद्ध्वं के मंत्र से प्रेरणा लेकर एक साथ खड़े हों। हम इस राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत करें, यही हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। रक्षा मंत्री ने कहा, यह समय एकजुट होकर अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और आत्मसम्मान की रक्षा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का है। हमें यह याद रखना



होगा कि हमारी सामाजिक और राजनीतिक एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। पाकिस्तान के दुस्साहस को दिए गए भारत के मुंहतोड़ जवाब का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने पूरी दुनिया को बड़ा संदेश दिया। उन्होंने संसद के मंच से एक बार फिर साफ किया कि पाकिस्तान और भारत के बीच 10 मई को थमी गोलाबारी के पीछे कोई तीसरा पक्ष नहीं था,

शेर मेंढक मारे तो अच्छा संदेश नहीं : राजनाथ लोकसभा में शुरू हुई ऑपरेशन सिंदूर पर बहस संघर्ष रोकने के निर्णय में कोई तीसरा पक्ष नहीं पाकिस्तानी डीजीएमओ के आग्रह पर रुका संघर्ष

देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद संघर्ष रुका। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सेना ने पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों को

नेस्तनाबूद करने में पूरी सफलता पाई है। भारतीय सेना को किसी भी तरह की सैन्य क्षति नहीं हुई है। राजनाथ सिंह ने विपक्षी दलों को

पहलगाम हमले में शामिल आतंकी का खात्मा!

श्रीनगर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन महादेव में हासिम मूसा समेत 3 कुख्यात आतंकी ढेर हो गए। एनकाउंटर जारी है। बताया गया है कि मरने वाले आतंकियों में पहलगाम हमले में शामिल आतंकी भी शामिल है। हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जम्मू-कश्मीर में चल रहे ऑपरेशन महादेव के तहत श्रीनगर के लिंदवास स्थित हारन जंगल क्षेत्र में आज सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों सुलेमान साहा, अबु हमजा और यासिर को मार गिराया। सेना के चिनार कोर के अनुसार, ►10

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया

बिहार में मतदाता पुनरीक्षण नहीं रुकेगा

अभ्यास के लिए आधार और मतदाता पहचान पत्र स्वीकार करना जारी रखे। मामले पर अंतिम निर्णय कल लिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित करने पर रोक लगाने को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट में अगर फर्जीवाड़ा की बात है तो धरती पर कोई भी दस्तावेज ऐसा नहीं है, जिसकी नकल न हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर सुनवाई को मंगलवार 29 जुलाई तक के लिए टाल दिया।



बहस की तारीख पर मंगलवार को होगी सुनवाई

अदालत विशेष गहन पुनरीक्षण पर बहस की तारीख अब मंगलवार को तय करेगी। बेंच ने चुनाव आयोग से कहा कि यह प्रक्रिया बड़े पैमाने पर नाम काटने के बदले नाम जोड़ने जैसी होनी चाहिए। अदालत ने याचिकाकर्ताओं के वकीलों से पूछा कि बहस के लिए कौन कितना समय लेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछली तारीख पर चुनाव आयोग से कहा था कि वो आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड को लिए जा रहे दस्तावेजों की सूची में शामिल करने पर

विचार करें। चुनाव आयोग ने कोर्ट में दाखिल जवाब में कहा कि ये तीनों दस्तावेज भरोसेमंद नहीं हैं, क्योंकि इन्हें गलत तरीके से फर्जी बनाया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत ने आज सुनवाई के दौरान आयोग से कहा कि दुनिया का कोई भी पेपर जाली बनाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि आपकी लिस्ट वाले पेपर भी निर्णायक नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से पूछा कि क्या वो आधार कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र स्वीकार करेगा। आयोग ने कहा कि उसे राशन कार्ड स्वीकार करने में दिक्रत है। आयोग ने कहा कि वोटर आईडी तो फॉर्म पर पहले से प्रिंटेड है और फॉर्म में वोटर को आधार नंबर भरना है। ►10

सर्पफा बाज़ार



(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,920/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,16,350/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 22°



नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

खनन और बिजली क्षेत्रों के

खराब प्रदर्शन के कारण भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि जून 2025 में 1.5 प्रतिशत के साथ

10 महीने के निचले स्तर पर आ गई। सरकार ने सोमवार को इससे जुड़े आधिकारिक आंकड़े जारी किए। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया कारखाना उत्पादन जून 2024 में 4.9 प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने भी मई माह के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 1.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पिछले महीने जारी अनुमान 1.2 प्रतिशत था। विकास की पिछली निम्न गति

सरकार ने जारी किए आधिकारिक आंकड़े

कहा, जून 2025 के उत्तरार्ध में अत्यधिक बारिश से खनन उत्पादन पर असर पड़ने की संभावना है, साथ ही बिजली उत्पादन में भी कमी आएगी,

हालांकि पिछले महीने की तुलना में इसकी सीमा कम हुई है। एनएसओ के आंकड़ों से पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि जून 2025 में

जबकि एक वर्ष पूर्व इसमें 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। जून 2025 में बिजली उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वित्त वर्ष 2026 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर एक साल पहले के 5.4 प्रतिशत से घटकर 2 प्रतिशत रह गई, जो पिछली 11 तिमाहियों में सबसे कम है। नायर ने कहा, तिमाही के संदर्भ में, आईआईपी ►10

कार्टून कॉर्नर



जीतो प्रोफेशनल फोरम बेंगलूरु साउथ ने मीट-नेटवर्क कनेक्ट-एक्ट ईस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो प्रोफेशनल फोरम बंगलूरु
साउथ नें मीट - नेटवर्क -
कनेक्ट, - एक्ट ईस्ट इवेंट नामक
कार्यक्रम आयोजित किया,
जिसका प्रायोजन एच.सी. गुलेचा
एंड कंपनी द्वारा किया गया था।
यह आयोजन ज्ञानोदय दिगंबर जैन
मंदिर बंगलूरु में हुआ और इसमें
160 से अधिक पेशेवरों ने भाग
लिया, जिनमें इंजीनियरिंग,
अकाउंटिंग, वास्तु और ज्योतिष
जैसे विविध क्षेत्रों के प्रतिनिधि
 शामिल थे।

नवकार मंत्र के उच्चारण के साथ शुरु हुए इस कार्यक्रम में जीतो बैंगलूरु साउथ जेपीएफ संयोजक रौनक गुलेचा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और जीतो बैंगलूरु साउथ द्वारा की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी

धर्म की शरण ही
श्रेष्ठ शरण है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्रेतांबर स्थानकवासी जैन
श्रावक संघ अलसूर के तत्व-
वधान में महावीर भवन में
आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री
इंदुभूषा जी ने कहा कि श्रद्धा
संकल्प को जन्म देती है। जीवन
यात्रा में पग पग पर परिषह आते
हैं। यदि जीवन में धर्म पर दृढ़
श्रद्धा नहीं हो तो हम विचलित हो
कर सबसे पहले धर्म ही छोड़ देते
हैं।

अनाथी मुनि का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि धर्म हमारी रक्षा करता है और धर्म की शरण ही श्रेष्ठ शरण है। वैराग्य की भावना संसार के सुख में हमें भटकानी नहीं है। आत्मा के सुख के लिए ही हमें चिंतन करना चाहिए। आत्मा को भूल गए तो फिर हम चौरासी के चक्र में ही भटकते रहेंगे। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री रुद्रप्रिया जी ने कहा कि धर्म उत्कृष्ट मंगल है। धर्म सजावट आडंबर और मात्र जयकारों में नहीं है। धर्म तो हमारे रोम रोम में बस जाना चाहिए। क्योंकि धर्म ही हमें दुर्गति से बचा सकता है। ये शोध कब रुक जाए, पता नहीं। मिले हुए अवसर का लाभ उठाने वाला साधक होता है। प्रवचन सभा में नागौर जेपीपी महिला मंडल के सदस्य भी उपस्थित थे। संघ मंत्री अभय कुमार बाठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपतर राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।



दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि जीतो प्रोफेशनल फोरम एक ऐसा मंच है जहां सभी प्रोफेशनल एक ही मंच पर आकर अपने नेटवर्क का विस्तार कर सकते हैं। साउथ सचिव कोमल भंडारी ने आगामी

पगारिया जेबीएन पक्ष बिजनेस समिट 2025 के बारे में जानकारी दी, जो 1-2 अगस्त 2025 को प्रिंसेस श्राइन, पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सदस्यों से अनुरोध किया कि वे

इस कार्यक्रम में भाग लें और अपने उद्योग के साथियों को भी इसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें। कार्यक्रम में सचिव प्रतीक गांधी, जेपीएफ बेंगलुरु साउथ अध्यक्ष हरि किशन

छाजेड़, मुख्य सचिव प्रेक्षा भंडारी, कोषाध्यक्ष रिशभ पीपाड़ा, सह सचिव गजेश भंडारी और समिति सदस्य सुमन जैन, ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर के ट्रस्टी मुकेश जैन और अशोक जैन भी उपस्थित थे।

संयोजक विकास मेहता और सह-संयोजक विनय जैन ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित किया।

इस कार्यक्रम की सफलता ने प्रोफेशनल के बीच नेटवर्किंग, कनेक्शन और विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की शुरुआत का संकेत दिया है।

जीतो प्रोफेशनल फोरम बेंगलूरू साउथ पेशेवरों को एक साथ लाये और विकास और सहयोग के नए अवसरों का पता लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। जीतो प्रोफेशनल फोरम बेंगलूरू साउथ प्रोफेशनल के लिए एक मंच है जो नेटवर्किंग, ज्ञान साझा करने और अवसरों का पता लगाने के लिए एक साथ आते हैं।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन
दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के
निवासधान में चानुमांस हेतु
तिराजित साध्वी श्री
हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में
कहा कि जिनवाणी श्रवण से हमें
पदार्थ पर राग और आसक्ति दूर
करने में मदद मिलती है। हमें
धर्म क्रिया में रुचि नहीं आने से
कभी हताश नहीं होना चाहिए।
जब रुचि पैदा होगी तब हमें धर्म
क्रिया में आनंद आने लगेगा।
एक बार सदराह पर चलने से
जीवन में आनंद ही आनंद होता
है। मंजिल पर पहुंचने से पहले

हमें विभाव दशा को त्याग कर
आत्मा की स्वभाव दशा में
आना है। अच्छे और बुरे निमित्त
हमें जीवन में मिलेंगे लेकिन
अच्छे निमित्तों को लेकर हमें
आगे बढ़ाना है। परमात्मा
नेमिनाथ के जन्म कल्याण दिवस
के उपलक्ष्य में अनेक परिवारों
द्वारा परमात्मा को छुपन भोग
की थाली अर्पित की गई। इसमें
सर्वश्रेष्ठ थाली सजाने वालों को
पुरस्कृत भी किया गया। इसके
अलावा मंगलवार को गुरुवारों
द्वारा जन्म कल्याणक
उपलक्ष्य में परमात्मा का स्नान
महोत्सव भी मनाया जाएगा।

जीण माता का सिंधारा उत्सव धूमधाम से मनाया



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जीण माँ के दीवाने द्वारा
राजराजेश्वरी नगर स्थित श्री धाम
पर सावन मास के पावन अवसर
पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी
शनिवार को जीण का सिंधारा
उत्सव धूमधाम से मनाया गया।
इस अवसर पर माँ झूलोत्सव के
साथ माँ का भव्य दरबार सजाया
गया।

सर्व प्रथम वरिष्ठ सदस्य
राजकुमार अग्रवाल ने परिवार
सहित पूजन कर अखंड ज्योत

प्रज्वलित किया। उपस्थित भक्तों ने जयकरा लगाकर माँ का स्वागत किया। तत्पश्चात् गायक रामू रिसोदिया व च्चाति शर्मा व पायल सोनी ने भगवान गणेश की वंदना के साथ संगीतमय जीर्ण शक्ति मंगलपाठ का वाचन किया। भजनों की प्रस्तुति पर भक्तों को खूब बधाई बांटी। इस अवसर पर ओमप्रकाश मित्तल, मनालाल भाग, अनिल सुन्तानिया सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर हाज़िरी लगाई।



बेंगलूर/शुभ लाभ व्यूरो। नाट्य कुसुमांजलि सांस्कृतिक वैदिके द्वारा बेंगलूर के रविंद्र कला क्षेत्र में नृत्य रूपक उत्सव 2025 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, श्रीनाथ एवं अन्य ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

लॉ, लॉजिक एंड लाइफ कार्यशाला का आयोजन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री संयमलता जी के सानिध्य में तैरापंथ भवन विजयनगर में तैरापंथ युवक परिषद विजयनगर के निर्देशन में तैरापंथ किशोर मंडल विजयनगर द्वारा लां, लांजिक एंड लाइफ सफलता के 7 मंत्र कार्यशाला का आयोजन किया गया। साध्वी द्वारा मंगल पाठ से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, तैयुप अध्यक्ष विकास बाँटिया ने सभी का स्वागत किया, मुख्य वक्ता मुंबई से पधारे हुए एडवोकेट ललित जैन का परिचय किशोर मंडल सहसंयोजक प्रिंस मांडोते ने दिया। मुख्य वक्ता एडवोकेट ललित जैन ने किशोर मंडल एवं

कन्या मंडल को संबोधित करते हुए जीवन में सफलता के लिए सात मंत्रों स्टिल, विल, स्किल, डिल, थ्रील, चिल और गुडविल, के बारे में विस्तार से बताया एवं सभी की जिज्ञासा का समाधान भी किया। साध्वी संयमलता जी ने अपने मंगल उद्बोधन में बताया कि जीवन में तीन प्रकार के व्यक्ति होते हैं पहले जो कार्य नहीं करते हैं दूसरे जो कार्य करते हैं लेकिन छोड़ते रुकावट पर उसको बीच में छोड़ देते हैं तीसरे जो कार्य लेते हैं और हर बाधा को पार करके अंत तक उस कार्य को पूरा करते हैं एवं सफल होते हैं, तो हमें भी अपने जीवन में हर कार्य को पूरा करना चाहिए अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारावाडी युवा मंच बंगलूरु (आर) द्वारा राष्ट्रीय परियोजना पर्यावरण माह 2025 के अंतर्गत रिवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम रहा। इस अभियान के तहत 120 से अधिक पौधे रोपे गए, जो सभी 2-3 फीट से अधिक ऊंचाई के थे, जिससे उनके स्वस्थ विकास और जीवित रहने की संभावनाएं और अधिक बढ़ जाती हैं। मंदिर के स्वामीजी ने आयोजन की भरपूर प्रशंसा की और इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया। अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने आयोजन को प्रेरणादायक बताया और सभी सदस्यों की सहभागिता की सराहना की। कार्यक्रम के संयोजक गौरव शर्मा एवं आशु मित्तल ने जिस निष्ठा और लगन के साथ संपूर्ण आयोजन को सफल बनाया, वह अत्यंत सराहनीय है। सदस्य परिवारों और विशेषकर बच्चों ने जिस जोश और उत्साह से भाग



लिया, वह देखने योग्य था।

बच्चों की भागीदारी ने सभी को ऊर्जा से भर दिया और यह भविष्य की एक जागरूक पीढ़ी की झलक थी। पूर्व अध्यक्ष स्नेह जाजू, कोषाध्यक्ष विवेक खडेलवाल तथा सदस्यगण सुशील सैनी, अशोक अग्रवाल, मास्मू हिसारिया, आशीष अग्रवाल एवं प्रियांशु जैन की प्रेरणादायक उपस्थिति ने आयोजन को और भी सशक्त बना दिया। सचिव सनी जैन ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मिट्टी में मिलने वाली इस काया को सजोने में समय को ना करें व्यर्थ: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहका स्थित सुमतिराथ जैन संध के तत्वावधान में चतुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने सोमवार को कहा कि फल के साथ आपकी काया का गुलाबी रंग उड़ जाएगा। जब बुढ़ापा आएगा तो कोई साथ देने वाला नहीं मिलेगा। संसार का यही नियम है। पास में पैसा है तो दुनिया नाचती है, लेकिन पैसा नहीं है तो पड़ोस का सगा भाई भी नहीं पूछता है। कोई आपका जग में नहीं है, यह जानना बहुत जरूरी है। आपके द्वारा किया गया कर्म ही आपका साथ देगा। आपका अच्छा कार्य ही आपके साथ रहेगा। ये पांच तत्व की काया एक दिन मिट्टी में मिल जाएगी। जब मीत पास आएगा तो बहुत पछताना होगा। इसलिए अभी अपने अकल से काम लें। आपको आपके किए हुए कार्यों का फल ही मिलेगा। इस दुनिया में आपका कोई नहीं है। सुख में सभी आपके साथ दिखेंगे। लेकिन दुख में अपना कोई नहीं होगा। इसलिए समय रहते अच्छे कर्म



कर लेना चाहिए। जो करोगे वह फल आपको जरूर मिलेगा। उन्होंने एक गीतिका के माध्यम से बताया कि कोई नहीं है ठाढ़ो जग में जान ले, किया हुआ फल ही मिलेगा, मेरा कहना मान ले। यह पांच तत्व का शरीर एक दिन मिट्टी में ही मिलेगा। इसलिए इसको संभालने और संवराने में अपना जीवन व्यर्थ नहीं करना चाहिए। इसमें जीवन व्यर्थ किया तो जीवन में कुछ हासिल नहीं होगा।

आपकी काया की गुलाबी रंग समय के साथ उड़ जाएगी। जैसे फल फूल एक दिन झड़ जाते हैं वैसे ही काया की गुलाबी रंग भी एक दिन उड़ जाएगी। इसलिए इसके चक्कर में पड़ कर जीवन को व्यर्थ करने के बजाय अपने अंत समय को सुधारने का प्रयत्न करना चाहिए। यह तन पानी और बतलासे के समान है, जो पानी में डूब जाता है। जीवन का नाम ही परिवर्तन है। लेकिन हम समझ

नहीं पाते हैं। सेवा करने वाले को मेवा जरूर मिलता है। सेवा करने का मौका मिले तो पीछे नहीं हटना चाहिए। अपना फल अपनी करनी अपनी है, बाकि कोई किसी का नहीं है। शरीर बाहर से सुंदर है, लेकिन अंदर का बहुत खराब है। सभा का संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुंकड़ ने किया। सभा में अच्छी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही।



अभिनेत्री राम्या को दर्शन के प्रशंसकों से धमकियां मिलने से सांसद यदुवीर नाराज

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने दर्शन के प्रशंसकों द्वारा अभिनेत्री राम्या को सोशल मीडिया पर दी गई धमकी पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। संवाददाताओं से बात करते हुए, सांसद यदुवीर ने कहा मैंने भी ऐसी आलोचना देखी है। वे सोशल मीडिया पर कहीं बैठकर टिप्पणियाँ पोस्ट करते हैं। वे क्या कर सकते हैं? हमें अपना काम करना चाहिए। रेणुकास्वामी हत्याकांड की अदालत जाँच कर रही है।

उन्होंने कहा कि जब तक फैसला नहीं आ जाता, हममें से किसी को भी इस पर प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। हमें सोशल मीडिया पर आने वाली टिप्पणियों को नजरअंदाज कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की तुलना नलवाडी कृष्णराजा वाडियार से करने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते



हुए, सांसद यदुवीर ने कहा कि नेतृत्व का मतलब काम करना होता है, तुलना करना नहीं। मैं एक सांसद के रूप में अपना काम कर रहा हूँ। मैं अपने पूर्ववर्तियों के कामों की तुलना नहीं कर रहा हूँ। मैं अपने विचारों के अनुसार काम कर रहा हूँ। मैं सरकार के दायरे में काम कर रहा हूँ। यतींद्र के बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। माफी की मांग की जा रही है। माफी मांगना या



न मांगना उन पर निर्भर है। जनता सब कुछ बारीकी से देख रही है। उन्होंने कहा कि वे जवाब देंगे। मैसूरु में ड्रा नेटवर्क का पता चलने की पुष्टि में बोलते हुए, यदुवीर ने कहा कि यह एक अच्छा अभियान है। इस का पूरी तरह से सफाया होना चाहिए। इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हमने पुलिस विभाग को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। पुलिस को और भी कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

सभी को मिलकर ड्रग्स की रोकथाम के लिए काम करना चाहिए। नरसिंह राजा निर्वाचन क्षेत्र में ऐसी कई शिकायतें रोज आ रही हैं। आरोप लगे हैं कि हर जगह ड्रग्स बिक रहा है। नरसिंह राजा निर्वाचन क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और वहाँ के अधिकारियों को इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्हें इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए और लोगों का विश्वास बनाए रखना चाहिए। दशहरा प्रदर्शनी परिसर में नए यूनैटी मॉल के निर्माण की पुष्टि में, सांसद यदुवीर ने प्रदर्शनी स्थल का निरीक्षण किया। यूनैटी मॉल केंद्र सरकार की योजना के तहत 193 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है, और सांसद यदुवीर के साथ विधायक श्रीवत्स भी मौजूद थे। मैसूरु के प्रदर्शनी परिसर में बने वाले इस मॉल में 99 स्टोर होंगे।

इस भवन का निर्माण मैसूरु की विरासत को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। हम मैसूरु के उत्पादों को बेचने वाले स्टोर बना रहे हैं। यहाँ सभी प्रकार के स्टोर खोलने का निर्णय लिया गया है। हम स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देंगे। राज्य सरकार ने इसके लिए जमीन उपलब्ध कराई है। केंद्र सरकार पूरी धनराशि उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि यह मॉल साढ़े छह एकड़ जमीन पर बनेगा। उन्होंने कहा कि यहाँ पार्किंग समेत हर चीज की व्यवस्था की जाएगी। हम पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मॉल का निर्माण कर रहे हैं। आने वाले दिनों में यहाँ और भी लोग आएंगे। हम यहाँ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना भी तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में सप्ताहांत में मेले आयोजित करने का निर्णय लिया जाएगा।

चारमाडी घाट के मेंगलूरु-बेंगलूरु राजमार्ग पर पेड़ों के झुकने से खतरा मंडराने लगा



मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर, मनोरम चारमाडी घाट से होकर गुजरने वाले यातायात पर सड़क किनारे खतरनाक रूप से झुके पेड़ों के कारण, खासकर बेल्टांगडी तालुका में निदिगल से चारमाडी तक के हिस्से में, यातायात खतरे में पड़ गया है। लगभग 35 किलोमीटर लंबे इस हिस्से में सैकड़ों पेड़ सड़क की ओर झुके हुए हैं, जिससे वाहन चालकों और पैदल यात्रियों दोनों को खतरा है।

खासकर निदिगल से चारमाडी तक के 12 किलोमीटर के हिस्से में, कई पेड़ों की जड़ें बाहर निकली हुई हैं और ऊपर से गुजर

रही बिजली की तारों के कारण खतरा और बढ़ गया है। राष्ट्रीय सड़क विकास योजना के तहत राजमार्ग विस्तार कार्य के कारण पहले इस क्षेत्र में कई पेड़ों को हटाया गया था। हालाँकि हजारों और पेड़ों को हटाने के लिए चिह्नित किया गया था, लेकिन चौड़ीकरण प्रक्रिया के दौरान कई पेड़ अभी भी अपनी जड़ों के साथ खड़े हैं। जल निकासी की खराब व्यवस्था के कारण जंगलों से बारिश का पानी छोटी धाराओं की तरह सड़क के किनारों में भर गया है, जिससे पेड़ों का आधार और कमजोर हो गया है। सिर्फ दो दिनों में, मुंडाजे से कापू आरक्षित वन क्षेत्र में राजमार्ग पर तीन पेड़ गिर

गए, जिससे यातायात बुरी तरह बाधित हुआ। निदिगल के पास एक पेड़ एक चलते हुए दोपहिया वाहन पर गिर गया, जबकि दूसरा पेड़, एक बिजली के खंभे सहित, मुंडाजे में कापू के पास एक कार पर गिर गया। दोनों ही घटनाओं में लोग घायल हुए। इस क्षेत्र में वर्तमान में बारिश और तेज हवाओं के कारण, अधिकारियों को डर है कि और पेड़ जो पहले से ही सड़क की ओर झुके हुए हैं, गिर सकते हैं, जिससे खतरा बढ़ सकता है।

बार-बार बिजली गुल होने से जनता की परेशानी बढ़ जाती है। बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

श्री रंगनाथा स्वामी देवस्थान पर सुनील शर्मा का स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज शिवाजी नगर के जय भास्कर मंडल द्वारा एक दिवसीय सावन यात्रा के तहत चक्रबल्लारु समीप घाटी सुब्रमण्यम, नंदी मंदिर, भोगा नंदीश्वर मंदिर, आदियोगी पश्चात अतिप्राचीन रंगनाथा स्वामी देवस्थान की पूजा-अर्चना की गयी।

रंगनाथा स्वामी देवस्थान परिसर में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा के पहुंचने पर ढोल-नगाड़ों के साथ माला, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। सुनील



शर्मा ने दर्शनार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समाजोत्थान से सदैव तत्पर रहूंगा। इस अवसर पर विनोद शर्मा, नरेंद्र शर्मा, श्याम शर्मा, दिलीप शर्मा, नीलेश शर्मा,

मुकेश शर्मा, रमन शर्मा, सतीश शर्मा, जे. बाबूलाल, कैलाश शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, किशोर शर्मा, भूपेश कश्यप सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

कांग्रेसी सरकार चलाने के लायक नहीं: गोविंद करजोल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद करजोल ने आरोप लगाया है कि कांग्रेसी कर्नाटक में सरकार चलाने के लायक नहीं हैं। यहाँ मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मानसून शुरू होने से पहले इस मौसम में राज्य में कितने हेक्टेयर में बुवाई होगी? कौन सी फसलें बोई जाएंगी? डीएपी और यूरिया सहित कितनी खाद की आवश्यकता होगी? जिला प्रभारी मंत्री को एक बैठक के माध्यम से यह सारी जानकारी प्राप्त करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि यदि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की बैठक में विभिन्न जिलों से प्राप्त जानकारी को



संहिताबद्ध किया जाता, तो पर्याप्त गणना प्राप्त हो जाती। राज्य ने मानसून सीजन के लिए लगभग 6.30 लाख टन खाद का प्रस्ताव भेजा है, और केंद्र ने 7.70 लाख टन खाद उपलब्ध कराई है। माँग

से ज्यादा दिए जाने पर हंगामा क्यों हो रहा है? यह कम कैसे है? प्रशासन को इस बारे में सोचने की जरूरत है। कुछ खाद तस्क़र हैं। उन्होंने शिकायत की कि वे बाजार में उर्वरक की कृत्रिम कमी पैदा

कर रहे हैं और किसानों को ऊँची कीमतों पर बेच रहे हैं। आपने जिलेवार इस्तेमाल नहीं देखा। मंत्री दिखावे के लिए नहीं होते। जिला मंत्री जिले के मुख्यमंत्री की तरह होते हैं। अगर वे उस तरह से शासन नहीं करते, तो सिद्धरामैया को इस बारे में सोचना चाहिए कि जिला प्रभारी मंत्रियों की व्यवस्था जारी रखी जाए या समाप्त कर दी जाए। इस सरकार को दलितों की कोई चिंता नहीं है। सिद्धरामैया बजट में जनसंख्या के हिसाब से अनुदान देने के लिए अपनी पीठ थपथपाते हैं। हजारों सालों से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित दलितों, खासकर अछूतों के उत्थान के

लिए विशेष अनुदान देने की व्यवस्था है। उस अनुदान का दुरुपयोग करना उचित नहीं है। गोविंद करजोल ने मांग की कि उस राशि का इस्तेमाल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के लिए विशेष योजनाएँ प्रदान करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए किया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्टी जहाँ सत्ता में है, वहाँ इस तरह के धन का दुरुपयोग कर रही है। वह वोट बैंक की राजनीति कर रही है। उन्होंने सिद्धरामैया की आलोचना की, जो विशेष योजनाओं का पैसा चुपकर वोट बैंक की राजनीति करते हैं और खुद को अछूत नेता बताते हैं।

समता आने के लिए मन शान्त होना चाहिए



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकपेट श्रीसंघ में विराजित पूज्य मुनिराज श्रीआर्यशेखर विजयजी और मुनिराज भुवनभूषण विजयजी ने कहा कि मैं धर्म क्यों करता हूँ और कैसे करता हूँ। सामायिक करने से क्या होता है। समता आने के लिए मन शान्त होना चाहिए। धर्म करना है तो क्यों करना। आज तक हमने सामायिक की समता के बारे में नहीं जाना। जैसे एसी कमरे में

कोई क्यों जाता है ठंडक लेने के लिए। ठीक वैसे ही सामायिक में प्रवेश करने के बाद मन की शान्ति देने वाली समता हमारे जिवन में आनी चाहिए। पूजा करने से चित्त में प्रसन्नता आ गई क्या? हम अपने आप खुद को चेक करें। प्रभुपूजा, सामायिक, आर्यबिल, अष्टम कुछ भी करते समय हमारी शुद्धि कितनी होती है उसकी जांच करनी चाहिए। नवकार मंत्र भी हमारा शुद्ध है।

दूसरों के दुखों को अनुभव करने की क्षमता दया है: भव्यगुणा

दावणगरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि दूसरों के दुखों को अनुभव करने की क्षमता दया है, दूसरों के सुख को देखकर खुश होना अनुमोदना है। दूसरों के दोष या दुर्गुण को देखकर सहानुभूति करना दया है। दूसरों के सदुण देखकर राजी होना अनुमोदना है। स्वार्थ और जलन यह दोनों भाव आपको संवेदनहीन बनाते हैं।

दया और अनुमोदना आपके दिल को संवेदनापूर्ण बनाते हैं। संवेदना को जीवंत रखने के लिए अनुमोदना को ज्वलंत करो, अनुमोदना का अनुभव करने के अनेक रास्ते हैं। प्रथम, आप



जितने लोगों को पहचानते हो उनकी एक विशेषता या खासियत को याद कर मन से प्रशंसा करो, एक बात याद रखो कि इस दुनिया में कोई भी व्यक्ति शत-प्रतिशत अच्छा नहीं है, शत-प्रतिशत बुरा नहीं है। आत्मी 'ब्लैक एंड व्हाइट' में नहीं बांट सकते। हर एक आदमी 'ग्रे-शेड' का होता है। उस में कुछ अच्छा भी होता है, कुछ बुरा भी होता है। आपको

उसकी कुछ विशेषता पसंद हो सकती हैं, कुछ नहीं, यह वास्तविकता है। अगर आप बुरा ही देखते रहोगे तो आप को बुरा ही नजर आएगा। प्रश्न यह नहीं है कि व्यक्ति बुरा है या अच्छा है प्रश्न यह है कि आप को बुराई महत्वपूर्ण लगती है, या अच्छाई। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि भजन और भोजन में एक जैसे तीन अक्षर हैं भ, ज और न।

भजन में कोई मात्रा नहीं है और भोजन में मात्रा है। अर्थात भजन, बिना मात्रा के करें और भोजन, सीमित मात्रा में करें। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने कहा कि साध्वीवृंद की निश्ठा में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। तीन अगस्त से नवग्रह शांति जाप पूजन और एकासणा प्रारंभ होगा। शिवकुमार शीलवंत दावणगरे एडिशनल डिप्टी कमिश्नर का स्वागत-सत्कार किया गया। करनूल से अशोक कुमार बागरेचा, मोहिनी बागरेचा, विशाल बागरेचा आदि लोगों का बहुमान किया गया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्री गुरु गणेश सेवा समिति में आशीष कार्याध्यक्ष व अनिल उपाध्यक्ष मनोनीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने समिति के दो सेवाभावी कार्यकर्ता सदस्यों की नियुक्ति की घोषणा की। उन्होंने बताया कि आशीष बाफना को समिति में कार्याध्यक्ष व अनिल बाफना को उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। धारीवाल ने बताया कि बाफना बंधु समिति की हर सेवाभावी गतिविधि में शामिल होकर हर संभव सेवा सहयोग प्रदान करते हैं। भविष्य में भी वे समिति को नए पद पर मनोनीत होकर आगे बढ़ाएंगे।



जिनदत्त कुशल सूरी मंडल द्वारा जीवदया कार्यक्रम आयोजित



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों के अन्तर्गत मंडल द्वारा रविवार को जीवदया कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि इसके तहत मंडल के सदस्य रिषभ कामधेनु गौशाला, कनकपुरा मेन रोड, अमृतधारा गौशाला कगलीपुरा का दौरा कर अपने हाथों से गौसेवा की।

मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी सेवा प्रदान करने वाले सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम के लाभार्थी स्व. आनन्द कुमार कोठारी की प्रथम मासिक पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में कोठारी परिवार की बहन बेटियों द्वारा एकत्रित राशि द्वारा जीवदया कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में मंडल के महामंत्री रिषभ कामधेनु गौशाला, अर्चित पारख, विकास बच्छावत आदि सदस्य उपस्थित थे।

अतीत का चिंतन एवं वर्तमान के कल्पना से दुखी नहीं होना चाहिए: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरी नगर द्वारा प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष के अंतर्गत स्वास्थ्य की चाबी आपके हाथ विषय पर साध्वी श्री पुण्ययशसा जी के सानिध्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रारंभ साध्वीश्री जी ने नवकार मंत्र से करवाया। मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण के रूप में प्रेरणा गीत का संगान किया गया। अध्यक्ष मंजू बोथरा ने सभी का स्वागत करते हुए विषय-वस्तु पर अपने विचार रखें। साध्वी बोधि



प्रभा जी ने अपने वक्तव्य में कहा की शाश्वों में स्वस्थ जीवन जीने के लिए तीन बातें बताई गई है। वर्तमान में जीना, अतीत का चिंतन एवं वर्तमान के कल्पना से दुखी नहीं होना चाहिए। सकारात्मक चिंतन शैली, दुख में सुख एवं सुख में दुख निकालना

अपने हाथ में है। अनागृह, अनासक्त भावना का विकास एवं आवेश पर नियंत्रण रखना। अपने स्वास्थ्य की जवाबी अपने हाथ में रखना चाहिए। साध्वी पुण्य यशजी ने प्रेक्षाध्यान को उत्तम स्वास्थ्य का प्रयोग बताया। साध्वी जी ने सभी को पवित्र विचारों से जोड़ते हुए ध्यान का प्रयोग करवाया। भोजन का संतुलन एवं मन की शांति को स्वास्थ्य की चाबी बतायी। स्वस्थ कौन है?

इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा की जिसे अच्छी भूख, अच्छी नींद और जिसकी सोच नियमित हो वह स्वस्थ व्यक्ति है। भावनात्मक रूप से जिसके क्रोध, आवेश आवेश शांत हो वह व्यक्ति स्वस्थ है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए ध्यान एवं मंत्र के प्रयोग भी बतलाएं। घटनाओं के माध्यम से आत्म बल, सकारात्मक सोच एवं प्रयोगों द्वारा जीवन परिवर्तित किया जा सकता है। कार्यशाला का संचालन संयोजिका श्वेता कोठारी ने किया। आभार मंत्री वंदना भंसांली ने व्यक्त किया।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल कर्नाटक पूर्व सैनिक संघ द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में बाल गंगाधरनाथ स्वामी खेल मैदान से क्षेत्र के विधायक प्रिया कृष्णा के नेतृत्व में विशाल रैली का आयोजन किया गया। जिसमें बाइक सवार जवानों ने प्रदर्शन कर सभी को अचरज में डाल दिया। सैकड़ों पूर्व सैनिक एवं एनसीसी कैडेट राष्ट्र ध्वज लेकर चल रहे थे और भारत माता के जयकारे लगा रहे थे। चंद्रा लेआउट स्थित सैनिक भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं संघ के अध्यक्ष शिवण्णा ने पुरस्कृत किया।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से पूछे सवाल, अगली सुनवाई कल

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से सवाल किया कि उन्होंने संबंधित न्यायिक आंतरिक जांच समिति द्वारा अपनी जांच पूरी करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का इंतजार क्यों किया, जबकि उन पर कथित तौर पर नकदी बरामद होने के आरोप हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके अधिवक्ता से पूछा कि उन्होंने आंतरिक जांच समिति के गठन की वैधता को चुनौती क्यों नहीं दी और यदि यह संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत थी तो उन्होंने इसके अधिकार क्षेत्र को क्यों स्वीकार किया। पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से सवाल किया, जब समिति गठित की गई थी तब आपने चुनौती क्यों नहीं दी? आपने इंतजार क्यों किया? न्यायाधीश पहले भी इन कार्यवाहियों में शामिल होने से बचते रहे हैं।

पीठ ने उनसे यह भी पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि आंतरिक जांच रिपोर्ट केवल एक तथ्य-खोज दस्तावेज़



है, न कि साक्ष्य, और वह इससे कैसे असंतुष्ट हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत जांच में मुद्दे की पड़ताल करने और शपथ के तहत साक्ष्य लेने की व्यापक शक्तियां हैं। अदालत ने यह भी बताया कि शीर्ष न्यायालय के निर्णयों ने आंतरिक प्रक्रिया की पवित्रता को बरकरार रखा है।

सिब्बल ने जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल

इस पर वरिष्ठ वकील सिब्बल ने जवाब दिया, लेकिन तब इसे (रिपोर्ट) मेरे खिलाफ नहीं माना जा सकता। मैं इसलिए पेश हुआ क्योंकि मुझे लगा कि

समिति पता लगा लेगी कि यह नकदी किसकी है।

श्री सिब्बल ने यह भी तर्क दिया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को याचिकाकर्ता को हटाने की सिफारिश करना संवैधानिक प्रावधानों के विरुद्ध है। उन्होंने दलील दी कि किसी न्यायाधीश को हटाने की सिफारिश करना मुख्य न्यायाधीश के अधिकार क्षेत्र में नहीं है, और राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री को रिपोर्ट भेजना गलत था, क्योंकि महाभियोग प्रस्ताव सांसदों द्वारा प्रस्तुत किया जाना था, न कि सरकार द्वारा।

इस पर अदालत ने कहा कि उनके मामले में नियुक्ति प्राधिकारी राष्ट्रपति थे,

जिन्होंने मंत्रिपरिषद की सलाह और सहायता के अनुसार कार्य किया, इसलिए आंतरिक जांच रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी जानी चाहिए। श्री सिब्बल ने यह भी दावा किया कि नकदी की खोज के संबंध में न्यायाधीश के खिलाफ कोई दुर्व्यवहार सिद्ध नहीं हुआ है। इस पर पीठ ने कहा कि उन्होंने (याचिकाकर्ता) नकदी की मौजूदगी या आग लगने की घटना से इनकार नहीं किया। तब अधिवक्ता ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि नकदी किसकी थी।

न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका और स्थानांतरण का मामला

अपनी याचिका में न्यायमूर्ति वर्मा ने दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर रहने के दौरान अपने सरकारी आवास से कथित तौर पर नकदी मिलने के मामले में अदालत की आंतरिक जांच प्रक्रिया को चुनौती दी है। उन्होंने दिल्ली से इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरण करने और संबंधित जांच समिति द्वारा न्यायाधीश के पद से हटाने के फैसले की वैधता को भी चुनौती दी है।

सद्गुरु आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज का उद्बोधन

ब्रिटिश पार्लियामेंट में गूंजी विहंगम योग की अमृतवाणी



लंदन/हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ब्रिटिश पार्लियामेंट में उस समय एक ऐतिहासिक पल दर्ज हुआ, जब भारत के आध्यात्मिक ज्ञान के प्रकाश से पूरा सदन आलोकित हो उठा। सांसद बांबू बेकहम के प्रयासों से ब्रह्मविद्या विहंगम योग के आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज ने अपनी अमृतवाणी से

ब्रिटिश पार्लियामेंट को आध्यात्मिक सरोवर में डुबो दिया।

जैसे ही आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज ने उपस्थित लोगों को जीवन के गूढ़ रहस्यों, हम वास्तव में कौन हैं, यहां क्या कर रहे हैं और इसके बाद कहां जाना है जैसे प्रश्नों से अवगत कराया, सभी श्रोता अत्यंत गंभीरता से उनकी अमृतवाणी से

सुनने लगे। उन्होंने समझाया कि हमारा मन कैसे इंद्रियों के माध्यम से हमें जीवन भर संसार में फंसाए रखता है।

आचार्य श्री ने बताया कि विहंगम योग की साधना पद्धति और सद्गुरुदेव की कृपा से मन पर नियंत्रण प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से लय करने पर ही व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप की अनुभूति कर पाता है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से हम स्वयं को जान सकते हैं, सूक्ष्म से सूक्ष्म, सब में व्याप्त ईश्वर का दर्शन कर सकते हैं और उसे प्राप्त कर पूर्णानंद की उपलब्धि से अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

उनके उद्बोधन के बाद, संपूर्ण ब्रिटिश पार्लियामेंट के सदस्यों ने विहंगम योग की साधना का अभ्यास कर मानसिक शांति का अनुभव किया।

उन्होंने सद्गुरु आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया, साथ ही भविष्य में भी उन्हें बीच-बीच में आते रहने का अनुरोध किया।

राकेश जायसवाल ने लिया श्री परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग का आशीर्वाद

हर हर महादेव के जयकारों के साथ हुआ भव्य दर्शन कार्यक्रम

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के जामबाग वार्ड के भाजपा कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों के साथ श्री परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग (महाराष्ट्र) का दर्शन किया। इस भक्ति-भावपूर्ण कार्यक्रम में हर हर महादेव के जयकारों के साथ भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

इस दर्शन यात्रा में श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, शैलेंद्र यादव, जनार्दन, जगपति, प्रमोद, साई, वेंकटेश गोड, नरहरि, जे.डी. नितिन मुकेश, संदीप, शिवा, वेंकट रेड्डी, नरसिंह, महेश और कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता व शुभचिंतक शामिल रहे। कार्यक्रम में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान वैजनाथ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जायसवाल का योगदान

जामबाग वार्ड (डिवीजन नंबर 77) के कॉर्पोरेटर श्री राकेश जायसवाल सामाजिक और धार्मिक



गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। इस दर्शन यात्रा का आयोजन भी उनके नेतृत्व में समुदाय को एकजुट करने और धार्मिक भावनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आयोजन का महत्व

यह दर्शन यात्रा न केवल भक्ति का प्रतीक है, बल्कि भाजपा जामबाग परिवार और स्थानीय समुदाय के बीच एकता और समन्वय को भी दर्शाती है। श्री परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग, जो बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, भक्तों के लिए विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। इस आयोजन ने भक्तों को एक साथ लाकर सामुदायिक भावना को मजबूत किया।

तेरापंथ भवन में जैन ज्योतिष व नवग्रह अनुष्ठान सम्पन्न

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया भाग

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में रविवार रात्रि को जैन ज्योतिष व नवग्रह अनुष्ठान का सफल आयोजन किया गया। यह अनुष्ठान तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद, तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद और महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ने अपने प्रवचन में फरमाया कि जैन धर्म आत्मवाद, कर्मवाद और पुरुषार्थवाद के सिद्धांतों को मानता है। उन्होंने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से यह जाना जा सकता है कि हमारे आठ कर्मों का नवग्रहों से क्या संबंध है और कौन सा कर्म किस समय क्या फल देता है। साध्वी श्री ने जोर देकर कहा कि पुरुषार्थ के बल पर हम अशुभ कर्मों को शुभ में परिवर्तित कर सकते हैं और हमारे आचरण तथा अनुष्ठान ग्रहों की दिशा को भी सकारात्मक रूप दे सकते हैं। जैन दर्शन में यह अनुष्ठान



तीर्थंकरों और नमस्कार महामंत्र पर आधारित मंत्रोच्चार से करवाया गया।

आध्यात्मिक माहौल में विशेष अनुष्ठान

शाम 7 बजे से 9 बजे तक चले इस

अनुष्ठान में पुरुष श्वेत पोशाक में और महिलाएं लाल चुनरी की साड़ी में उपस्थित हुईं, जिससे प्रांगण में एक भक्तिमय वातावरण बन गया। अनुष्ठान स्थल की सजावट को ब्रह्मांड का रूप दिया गया था।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ, जिसके बाद महिला मंडल, तेयुप और महावीर इंटरनेशनल द्वारा संयुक्त रूप से मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया।

साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ने ज्योतिष देवताओं के पांच प्रकारों - सूर्य, चंद्र, ग्रह, नक्षत्र और तारा - का उल्लेख करते हुए बताया कि जैनाचार्यों और ज्योतिषाचार्यों ने इनकी सकारात्मक दशा और दिशा के लिए अनेक प्रयोग खोजे हैं। उन्होंने कहा कि नमस्कार महामंत्र और तीर्थंकरों का जप रंगों और बीज मंत्रों के साथ विशेष रूप से फलदायी सिद्ध होता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में शांति का अनुभव होता है और परिस्थितियां अनुकूल बनती हैं।

इस अवसर पर तीनों संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित थे।

अनुष्ठान में सैकड़ों की संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर धर्म लाभ लिया। महिला मंडल हैदराबाद की अध्यक्ष श्रीमती निमिता सिंधी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम संयोजक अशोक सेठिया, विशाल भंडारी, अंजू चोरडिया, सरिता डागा, अर्चना नाहटा सहित तीनों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण समय और श्रम का योगदान दिया।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 191वां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न, 205 लोगों को मिला लाभ

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अशोक नगर, हैदराबाद सिटी सेंट्रल में रविवार, 27 जुलाई 2025 को अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 191वां विशाल निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शिविर में कुल 205 व्यक्तियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर का शुभारंभ भारत माता और श्री अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना तथा उनके छायाचित्रों पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्वलित करके किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर श्री छगनलाल गुप्ता की स्मृति में मेसर्स मंगत राय रामकुमार ज्वैलर्स, हैदराबाद के सौजन्य से आयोजित किया गया था। इस सफल आयोजन में मंच के संयोजक विष्णु गुप्ता, प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, संयोजक उमाशंकर



गोयनका, सह-संयोजक जयप्रकाश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, सुरेश गोयल, जितेंद्र सहित अशोक नगर शाखा की केंद्रीय समिति सदस्य सुश्री पूजा गुप्ता, श्री अजय तुलस्यान, श्रीनगर शाखा के कार्यकारिणी

सदस्य श्री राहुल सिंघल, श्रीमती राहुल सिंघल और भारत विकास परिषद तेलंगाना के जनरल सेक्रेटरी श्री शिव रामाकृष्णा आदि की उपस्थिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं, निशुल्क दवाइयों का वितरण

शिविर में केआईएमएस हॉस्पिटल, सिकंदराबाद के डॉक्टरों ने रक्तचाप, शुगर टेस्ट, ईसीजी सहित सामान्य रोगों, हड्डी रोग, स्त्री रोग, बाल रोग और हृदय रोग से ग्रस्त मरीजों की जांच कर उनका निदान किया। स्वरूप आई केयर सेंटर, आबिडूस और बंजारा हिल्स, हैदराबाद के नेत्र विशेषज्ञों ने मरीजों की आंखों की जांच की और 10 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया, जिनका निशुल्क ऑपरेशन गहन परीक्षण के बाद स्वरूप आई केयर सेंटर, आबिडूस में किया जाएगा। एशियन ईएनटी केयर सेंटर, बेगम्पेट से डॉ. छावा अंजनेयेलू के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने नाक, कान और गले से संबंधित मरीजों को अपनी सेवाएं दीं। सेवा भारतीय चैरिटेबल हॉस्पिटल की डॉ. शशि रानी एमडीएस ने दांतों के मरीजों का परीक्षण किया, जबकि भारत विकास परिषद की टीम ने रोगियों का हीमोग्लोबिन परीक्षण किया। केआईएमएस फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर, सिकंदराबाद की पूरी टीम ने इस अवसर पर दिल खोलकर निशुल्क दवाइयों का वितरण किया। अंत में, मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने शिविर के सफल आयोजन से जुड़े सभी संबंधित पक्षों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल की नई ओबीसी सूची पर हाईकोर्ट के रोक संबंधी आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की नई सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया पर रोक लगाई गई थी।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारीया की पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने इस मामले में यथास्थिति बनाए रखना आवश्यक बताया।

पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को प्रथम दृष्टया गलत बताते हुए उस पर रोक लगा दी और कहा, यह आश्चर्यजनक है! उच्च न्यायालय इस तरह कैसे रोक लगा सकता है? आरक्षण



कार्यपालिका के कार्यों का हिस्सा है।

शीर्ष अदालत ने आगे टिप्पणी की, जो भी हो, आयोग (ओबीसी) ने कुछ कार्यप्रणाली अपनाई है, जो सही हो सकती है या गलत, इसका फैसला उच्च न्यायालय करेगा। प्रथम दृष्टया आदेश गलत है। हम आदेश पर रोक लगाते हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह उच्च न्यायालय को 6-8 सप्ताह के भीतर इस मामले पर फैसला सुनाने का निर्देश दे सकती है।

पीठ ने मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया कि वे एक विशेष पीठ का गठन करें, जिसमें विद्वान न्यायाधीश शामिल हों। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने नई ओबीसी सूची पर रोक लगाने वाले 17 जून के उच्च न्यायालय के आदेश की वैधता को चुनौती दी है। राज्य ने यह नई सूची मई 2024 में उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी सूची में 77 समुदायों को शामिल करने के फैसले को रद्द करने के बाद तैयार की थी।

महज संयोग नहीं है इन तीन राजनीतिक देवियों का एक साथ होना

2027 के राजनीति समीकरण का संकेत तो नहीं..!

राजेश पटेल

नई दिल्ली/लखनऊ, 28 जुलाई।

सियासी गलियारे से तस्वीरें तो बहुत आती हैं, लेकिन इनमें कुछ ऐसी आ जाती हैं, जो सियासत में नई बहस या नई संभावनाओं के उदय को जन्म देती हैं। कुछ ऐसी दुर्लभ तस्वीरें कभी-कभी भविष्य की राजनीति का संकेत भी देती हैं। संसद के मानसूत्र सत्र के दौरान ऐसी ही एक फोटो सामने आई, जिसने तरह-तरह की संभावनाओं पर सोचने के लिए विवश किया। यह फोटो है संसद भवन परिसर की, जहां अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव और प्रिया सरोज की। डिंपल यादव सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी हैं, यह तो सब जानते ही हैं। लेकिन सब यह नहीं जानते-समझते कि राजनीतिक जगत की इन तीन देवियों की एक साथ खींची गई तस्वीर महज एक संयोग है या सोचा-समझा हुआ संयोजन।

कहने को तो अनुप्रिया पटेल केंद्र में राज्य मंत्री हैं, लेकिन भाजपा के साथ उनके समीकरण फिलहाल डांवाडोल स्थिति में हैं। अनुप्रिया पटेल के पति आशीष पटेल उत्तर

प्रदेश की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। लेकिन जैसे-जैसे 2027 नजदीक आ रहा है, तल्खी बढ़ती जा रही है। अभी तक तो आशीष पटेल ही मुखर थे। एसटीएफ और 1700 करोड़ के सूचना विभाग के बजट विवाद को उठाकर आशीष पटेल सुर्खियों में रहे हैं। इसके अतिरिक्त अपना दल (एस) पार्टी की पिछली समीक्षा बैठक में अनुप्रिया पटेल ने भी इशारों-इशारों में बहुत कुछ कह डाला। इससे जाहिर हुआ कि गठबंधन की गांठ से अपना दल (एस) धीरे-धीरे ही सही, खुल कर सरक रही है।

इसका कारण भी है। अनुप्रिया पटेल अपनी पार्टी के सामाजिक न्याय के मुद्दों को एक-एक कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सुलझवाती जा रही हैं। विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती में 13 प्वाइंट रोस्टर का मामला रहा हो या केंद्रीय और सैनिक विद्यालयों में प्रवेश में ओबीसी बच्चों के लिए 27 फीसदी आरक्षण की बात हो। मांग पूरी हो गई। कहा तो यह भी जाता है कि जातीय जनगणना की भी घोषणा मोदी ने सामाजिक न्याय की विचारधारा की राजनीति के दबाव में ही की। उनको डर था कि यदि यह घोषणा नहीं करते तो ओबीसी



का बड़ा वोट बैंक उनसे छिटक सकता था।

इसके ठीक उलट अनुप्रिया पटेल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 69 हजार शिक्षक बहाली में ओबीसी अभ्यर्थियों तक को न्याय नहीं दिलावा पा रही हैं। इसके लिए उन्होंने विभिन्न मंचों के माध्यम से कई बार योगी आदित्यनाथ से अपील की, लेकिन योगी आदित्यनाथ ने उनकी नहीं सुनी।

इसके अलावा भी ओबीसी के कई मुद्दे हैं, जिनको सिर्फ इसलिए नहीं सुलझाया जा रहा है कि इनको अपना दल (एस) ने उठाया है। एनडीए के सबसे पुराने सहयोगी अपना दल (एस) को मजबूत बनाने के बजाए उत्तर प्रदेश में उसे कमजोर करने की कोशिशें सरकार के स्तर से बार-बार की जा रही हैं। अपना दल (एस) के विरोधियों के कंधों पर बंदूक रखकर योगी बाबा निशाना लगाने का प्रयास करते हैं, हालांकि अपना दल (एस) की सावधानी के कारण निशाना हर बार चूक जाता है।

अपना दल (एस) के रास्ते में हर कदम पर बारूदी सुरंगें बिछाई जा रही हैं। इनसे कब तक बचा जा सकता है। सावधानी हटी कि दुर्घटना घटी। योगी सरकार और अपना

दल (एस) के बीच का यह शीतयुद्ध सार्वजनिक हो गया है। ऐसे में जब इस तरह की फोटो सामने आएंगी तो बहस का मुद्दा बनेगी ही। क्या 2927 के लिए सामाजिक न्याय की विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ आने जा रही हैं? यह फोटो उसका संकेत तो नहीं है? चर्चाओं को इसलिए भी पंख लग रहे हैं कि इस तरह की फोटो पहली बार सामने आई है।

हालांकि उसी दिन एक और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसमें कई दलों की महिला सांसद हैं। वह तो सामान्य शिष्टाचार हो सकता है, लेकिन अनुप्रिया पटेल, डिंपल यादव और प्रिया सरोज की इस फोटो के कई अर्थ और कई निहितार्थ हैं। कोई इसे भविष्य का गठबंधन बता रहा है तो कोई 2027 के लिए नई गोलबंदी। हालांकि 2022 में विधानसभा चुनाव के पहले समाजवादी पार्टी और अपना दल (एस) के गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा था कि उनके यहां हाउसफुल है। इधर अनुप्रिया पटेल कहती रहती हैं कि राजनीति संभावनाओं का खेल है। यहां न कोई स्थाई दोस्त होता है और न स्थाई दुश्मन।

बरेली के गांव में छत पर मिला मेड इन चाइना ड्रोन



बरेली, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

बरेली के फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के मंडोली गांव में सोमवार सुबह एक ग्रामीण के मकान की छत पर चीन निर्मित ड्रोन बरामद किया गया। पुलिस ने ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बरेली जिले के ग्रामीण इलाकों व कस्बों में ड्रोन उड़ने का शोर मच रहा है। इससे ग्रामीणों में कौतुहल के साथ दहशत भी है। फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के मंडोली गांव से चौकाने वाला मामला सामने आया। गांव के कमल मौर्य के मकान की छत पर सोमवार सुबह ड्रोन पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि सुबह उनका बेटा नवनीत मौर्य किसी काम से छत पर गया तो उसने ड्रोन पड़ा देखा। उसके शोर मचाने पर परिवार के लोग पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। ड्रोन मिलने की खबर मिलते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। उन्होंने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने ड्रोन को कब्जे में ले लिया है। ड्रोन पर मेड इन चाइना लिखा है। ड्रोन किसका है और छत पर कैसे

पहुंचा, इसका पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि गांवों से यूपी-112 पुलिस के पास इस तरह की कॉल्स आ रही हैं कि उनके यहां ड्रोन उड़ता दिखा है। जब पुलिस वहां जाती है तो ड्रोन नहीं दिखता। इससे लग रहा है कि ड्रोन से ज्यादा अफवाह फैल रही है। शादी और धार्मिक आयोजनों में भी आजकल ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। ऐसे में इन लोगों को भी सलाह दी गई है कि वह ड्रोन का इस्तेमाल करने से पहले पुलिस को सूचना दें ताकि पुलिस उस क्षेत्र के लोगों को पहले यह स्पष्ट कर सके। ड्रोन को बिना किसी उद्देश्य के नहीं उड़ाया जा सकता। एसएसपी ने लोगों से अपील की कि किसी संदिग्ध व्यक्ति को देखें तो पुलिस को सूचना दें, न कि खुद ही कानून हाथ में लें। ग्राम सुरक्षा समिति, सरकारी कर्मचारी, मीडिया के जरिये लोगों को पुलिस यह बताने का प्रयास करेगी कि इस तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने उठाई मांग

ऊर्जा विभाग अपने पास रखें मुख्यमंत्री

ऊर्जा मंत्री साजिशन बिजली निगमों को कर रहे बदनाम

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से निवेदन किया है कि वे स्वयं ऊर्जा विभाग अपने पास ले लें और निजीकरण का निर्णय निरस्त कर दें तो बिजली कर्मी द्विगुणित उत्पाह के साथ उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति सेवा देने हेतु कृतसंकल्प हैं। बिजली कर्मियों का उन पर पूरा विश्वास है। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण के एजेंडे के तहत देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले उत्तर प्रदेश के ऊर्जा निगमों को बेवजह बदनाम नाम किया जा रहा है। वस्तुतः देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले ऊर्जा निगम उत्तर प्रदेश का गौरव हैं।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश की कोर कमेटी की आज हुई बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर माननीय मुख्यमंत्री जी से ऊर्जा विभाग का दायित्व अपने पास लेने का निवेदन किया गया। संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली कर्मियों ने भीषण गर्मी के दौरान सीमित संसाधनों के बावजूद सर्वाधिक बिजली आपूर्ति का नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया है। यद्यपि बिजली कर्मी निजीकरण के विरोध में आंदोलनरत है किंतु बिजली कर्मियों ने अपने आंदोलन के साथ उपभोक्ता सेवा को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। निजीकरण का एजेंडा लेकर चलने वाले लगातार मिल रही सफलता को विफलता में बदल देने पर तुले हुए हैं। संघर्ष समिति ने कहा जो लोग ऊर्जा विभाग में शीर्ष पदों



पर हैं और जो संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए विद्युत वितरण निगमों को असफल बता रहे हैं, दरअसल इसके पीछे उनका निजीकरण का एजेंडा है, उन्हें अपने पदों से त्यागपत्र दे देना चाहिए। संघर्ष समिति ने कहा कि संघर्ष समिति के साथ लिखित समझौता कर मुकर जाने वाले ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा बिजली कर्मियों का विश्वास पहले ही खो चुके हैं। अब ऊर्जा मंत्री और पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष के बीच मंचे घमासान में आम जनता पिस रही है। ऐसे में आम जनता के हित में मा मुख्यमंत्री जी को ऊर्जा विभाग अपने पास रखना चाहिए।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने आज यहां कहा कि मुख्यमंत्री की प्रदेश की बिजली व्यवस्था के प्रति चिंता सर्वथा उचित है। उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारी, संविदा कर्मी, जूनियर इंजीनियर और अभियंता माननीय मुख्यमंत्री के प्रति पूरा विश्वास रखते हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में

लगातार सुधार कर रहे बिजली कर्मियों के प्रयास से 2017 में चल रही 41 प्रतिशत लाइन हानियां घटकर अब 15 प्रतिशत से नीचे आ गई हैं। एक वर्ष के अंदर अंदर उत्तर प्रदेश के

विद्युत वितरण निगमों की लाइन हानियां राष्ट्रीय मानक से काफी नीचे आ जाएंगी इसकी पूरी संभावना है। उन्होंने कहा कि विद्युत वितरण निगमों में सुधार के लिए केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को 44000 करोड़ रुपए मिला है। निजीकरण का एजेंडा चलाने वाले इस धनराशि को खर्च करके विद्युत वितरण निगमों को कौड़ियों के मोल निजी घरानों को बेचना चाहते हैं। बिजली कर्मचारी उपभोक्ताओं की सेवा को बनाए रखते हुए इसी के विरोध में गत आठ माह से आंदोलनरत है।

संघर्ष समिति ने कहा कि 65 दिन चले महाकुंभ के दौरान बिजली कर्मियों ने दिन रात काम किया और महाकुंभ में पल मात्र के लिए भी बिजली का व्यवधान नहीं आने दिया। बिजली कर्मियों के अथक प्रयास से ही महाकुंभ की बिजली व्यवस्था की आज पूरे विश्व में चर्चा हो रही है। महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक विरासत है और 2025 के महाकुंभ का सबसे बड़ा आकर्षण उच्च कोटि की बिजली व्यवस्था थी जिसे सरकारी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के

बिजली कर्मियों ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कर दिखाया। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण का एजेंडा लेकर चलने वाले झूठे आंकड़े देकर वित्तीय संकट का हौआ खड़ा कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि सरकारी विभागों का बिजली राजस्व का बकाया और सब्सिडी की धनराशि को घाटे में जोड़कर निजीकरण का तर्क दिया जा रहा है। सरकारी विभागों का बिजली राजस्व का बकाया मिल जाए तो उत्तर प्रदेश के विद्युत वितरण निगम किसी घाटे में नहीं हैं।

संघर्ष समिति ने कहा कि पूर्वचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों की एक लाख करोड़ रुपए की परिसम्पत्तियों को बेचने के लिए रिजर्व प्राइस मात्र 6500 करोड़ रुपए रखना और 42 जनपदों की सारी जमीन मात्र एक रुपए की लीज पर निजी घरानों को सौंप देना यह ऐसे कदम है जो उत्तर प्रदेश सरकार को बदनाम करने के लिए उठाए जा रहे हैं। निजीकरण के विरोध में आम अवकाश के दिन बिजली कर्मचारियों ने समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक जनसंपर्क किया और आम जनता को यह बताने का प्रयास किया कि निजीकरण के बाद बिजली इतनी महंगी हो जाएगी कि वह किसानों, गरीब उपभोक्ताओं और आम धरलू उपभोक्ताओं की पहुंच से दूर हो जाएगी। निजीकरण हुआ तो उत्तर प्रदेश की अधिकांश गरीब जनता लालटेन युग में चली जाएगी।

पुनर्जीवित हो रही तमसा नदी, पांच जिलों में लौटने लगी हरियाली

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्वांचल की जीवरेखा कही जाने वाली तमसा नदी को नया जीवन मिल रहा है। तमसा नदी के पुनर्जीवन अभियान से आजमगढ़ जिले की 121 ग्राम पंचायतों में हरियाली लौट रही है। ऋषि दुर्वासा, चंद्रमा ऋषि और ऋषि दत्तात्रेय की तपोभूमि पर बहती तमसा नदी अब फिर से पूर्वांचल के किसानों के लिए संजीवनी बन रही है। तमसा नदी अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ और बलिया से होकर गुजरती है। इसके पुनरुद्धार से इन जिलों में बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। वर्तमान में तमसा नदी जनपद आजमगढ़ के अहरोली, मिर्जापुर, तहबरपुर, रानी की सराय, पल्हनी, बिलरियागंज



और सटियांव विकासखंडों की 121 ग्राम पंचायतों से होते हुए मऊ जनपद में प्रवेश करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को राज्य स्वच्छ गंगा मिशन और जिला गंगा समितियां मिलकर साकार कर रहे हैं। तमसा नदी न केवल धार्मिक

दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पूर्वांचल की कृषि और पर्यावरण के लिए भी जीवनदायिनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऋषि दुर्वासा, चंद्रमा ऋषि और ऋषि दत्तात्रेय की तपोभूमियों को फिर से हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया,

जिसके परिणामस्वरूप यह क्षेत्र अब एक बार फिर समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहा है। आजमगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना ने बताया कि तमसा नदी आजमगढ़ जिले में 89 किलोमीटर और कुल मिलाकर 264 किलोमीटर



लंबी है, जो अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ और बलिया जिलों से होकर गुजरती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आजमगढ़ में तमसा नदी पर अभियान चलाकर काम किया जा रहा है। तमसा नदी के संरक्षण

और पुनरुद्धार के लिए 29 जुलाई को आजमगढ़ में सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी जुटेंगे। तमसा नदी के पुनर्जीवन से किसानों को बड़ी राहत मिल रही है। अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ और बलिया के लाखों किसानों को अब सिंचाई

की बेहतर सुविधा मिल रही है, जिससे खेतों की उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई है। ग्राम पंचायतों में हरियाली लौटने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका के नए रास्ते भी खुले हैं। आजमगढ़ के डीएफओ पीके पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर तमसा

नदी के दोनों किनारों पर पौधारोपण भी कराया जा रहा है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भूजल स्तर में भी सुधार हो रहा है। तमसा नदी केवल खेती के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी धार्मिक विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां दुर्वासा ऋषि आश्रम तमसा और मंजूषा नदी के संगम पर स्थित है। यहां श्रावण, कार्तिक मास सहित कई पर्वों पर तीन से चार लाख तक श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। चंद्रमा ऋषि आश्रम तमसा और सिलनी नदी के संगम पर स्थित है, जहां राम नवमी और कार्तिक पूर्णिमा को विशेष मेले लगते हैं। दत्तात्रेय मंदिर तमसा और कुंवर नदी के संगम पर स्थित है। यहां शिवरात्रि पर भव्य मेला आयोजित होता है। जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं।



सीनेटर कोरीन ने संसद में मासूम बेटे 'ऑंगी' को गोद में लेकर दी पहली स्पीच

कहा- कामकाजी माता-पिता सिद्धांत में नहीं, बल्कि संसद में हक से शामिल हों

सिडनी, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के क्रीसलैंड राज्य से नव-निर्वाचित लेबर पार्टी की सीनेटर कोरीन मुलहोलैंड ने संसद में अपनी पहली स्पीच अपने नन्हे बेटे 'ऑंगी' को गोद में लेकर दी। कोरीन मई में हुए संघीय चुनाव में क्रीसलैंड से

सीनेटर चुनी गई थीं। कोरीन ने कहा कि ऑंगी उनके साथ किसी प्रतीक के तौर पर नहीं बल्कि एक ताकतवर याद दिलाने के लिए हैं कि आखिर वो संसद में क्यों हैं।

उन्होंने अपनी स्पीच में कहा कि मैं एक पत्नी हूँ, एक माँ हूँ और क्रीसलैंड के बाहरी उपनगर से आती हूँ। ऑंगी मेरे लिए एक ताकतवर प्रेरणा हैं कि मुझे हर काम परिवार और समाज के लिए ही करना है। कोरीन ने अपनी स्पीच में कामकाजी माता-पिता की चुनौतियों और हकीकतों को संसद में खुलकर

रखा। उन्होंने कहा कि कामकाजी माता-पिता सिर्फ सिद्धांत में नहीं, बल्कि संसद के अंदर भी पूरे हक से शामिल होने चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता की हकीकत में बच्चों की देखभाल, जिम्मेदारियाँ, भागदौड़ और कभी-कभी हंसी-मजाक और अव्यवस्था भी शामिल हैं। यही असली जिंदगी है।

कोरीन ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान वे सिर्फ तीन महीने के ऑंगी को स्तनपान कराते हुए भी लोगों के बीच पहुंची थीं। उन्होंने संसद से अपील की कि अब वक्त आ गया है

कि जो लचीलापन यहां सांसदों को मिलता है, वही लचीलापन हर कामकाजी परिवार को भी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं चाहती हूँ कि माता-पिता को अपने काम के तरीकों, समय और जगह चुनने की असली आजादी मिले। यह बदलाव संसद से शुरू होना चाहिए।

कोरीन की इस भावनात्मक और सशक्त स्पीच में ऑंगी ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं। हालांकि स्पीच खत्म होने से पहले ऑंगी को बाकी सांसदों ने गोद में संभाला ताकि कोरीन अपनी बात पूरी कर सकें।

न्यूज़ ब्रीफ

चीन में भूस्खलन से चार की मौत, आठ लापता, बीजिंग बाढ़ की चपेट में



बीजिंग। चीन में मूसलाधार बरसात ने बड़े हिस्से में तबाही मचाई है। अधिकांश नदी-नाले उफान पर हैं। इस बीच उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत के एक गांव में सोमवार तड़के हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लापता हैं। खबर के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि वेगड़े शहर के लुआनपिंग काउंटी स्थित गांव में भारी बारिश के बीच भूस्खलन हुआ। बचाव कार्य जारी है। इसके अलावा राजधानी बीजिंग और हेबेई प्रांत सहित उत्तरी चीन के कई क्षेत्र मूसलाधार बारिश और बाढ़ की चपेट में हैं। नगरपालिका अधिकारियों के अनुसार, बीजिंग में सोमवार को बाढ़ का रेड अलर्ट जारी किया गया है। चेतावनी दी गई कि यानकिंग, हुआइरी और मिथुन आदि जिलों के पहाड़ी इलाकों में सोमवार सुबह से मंगलवार सुबह तक भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग ने हेबेई प्रांत में स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय बजट से 50 मिलियन युआन (6.97 मिलियन डॉलर) का आवंटन किया है। बीजिंग में खेलकूद गतिविधियों को स्थगित कर दिया गया है। बीजिंग आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो ने कहा कि चाओबाई नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। मंगलवार सुबह 10 बजे तक शहर के अधिकांश इलाकों में भारी बारिश होगी। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में बाढ़ और भूस्खलन खतरा बहुत अधिक है। देश में शनिवार से रविवार तक हुई लगातार बारिश के कारण हेबेई, बीजिंग, इनर मंगोलिया, शान्सी, शानक्सी, युन्नान और झिनजियांग की 31 नदियां खतरों के निशान से ऊपर बढ़ रही हैं।

थाईलैंड के कमांडर बूनसिन पैडवलांग अग्रिम मोर्चे पर, कहा-कंबोडिया ने मौत की अफवाह फैलाई

बैंकों। थाईलैंड की सेकेंड आर्मी एरिया के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बूनसिन पैडवलांग ने अपनी मौत



की खबर का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि वह देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर अपने सैनिकों के साथ लड़ रहे हैं। कमांडर पैडवलांग ने कहा कि कंबोडिया ने अफवाह फैलाकर थाई सैनिकों का मनोबल गिराने की कोशिश की है। थाईलैंड के अखबार द नेशन की खबर के अनुसार, बूनसिन ने कहा कि कंबोडिया ने तस्वीर के साथ भी छेड़छाड़ की है। उन्होंने कहा, मैं अभी भी सीमा पर हूँ। अपने लोगों की सुरक्षा के लिए थाई-कंबोडियाई सीमा क्षेत्र में थाई सैनिकों के साथ लड़ रहा हूँ। मैं तब तक देश की संप्रभुता की रक्षा करता रहूंगा जब तक स्थिति में सुधार नहीं हो जाता। इस बीच थाई सशस्त्र बलों के प्रवक्ता मेजर जनरल विथाई लैथोय ने कंबोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोवेता के दावों का खंडन किया है। सोवेता ने थाईलैंड पर कंबोडियाई की संप्रभुता का उल्लंघन करने और बिना उकसावे के हमले करने का आरोप लगाया था। विथाई ने आरोपों को निराधार और झूठा बताते हुए खारिज कर दिया। सुरिन युद्ध आपदा क्षेत्र घोषित सुरीन के गवर्नर चमन चुएंटो ने प्रभावित नागरिकों की सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रांत को युद्ध आपदा क्षेत्र घोषित किया है। चुएंटो ने रविवार को सभी जिला प्रमुखों, प्रांतीय प्रशासनिक संगठन के अध्यक्ष और सुरीन नगर पालिका के महापौर को सीमा पर बढ़ती हिंसा के मद्देनजर एक आदेश जारी किया।

कंबोडिया के बिगाड़े हालात- 80 हजार परिवारों ने घर छोड़ा, 536 स्कूल हुए बंद

नम पेन्ह। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सशस्त्र संघर्ष के चलते कंबोडिया के लगभग 80,000 ग्रामीण अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय की उप सचिव और प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल मेली सोवेता ने एक प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उनके हवाले से बताया कि ग्रीह विहार, ओह्वा मीनवेय और पुरसत प्रांतों में 25,000 परिवारों, यानी करीब 80,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। इसके अलावा, 536 स्कूलों को बंद कर दिया गया है, जिससे 130,000 छात्र प्रभावित हुए हैं। सशस्त्र संघर्ष में दोनों पक्षों से अब तक 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 100,000 से ज्यादा लोग सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किए गए हैं। दोनों देश एक-दूसरे पर अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन और पहले गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगा रहे हैं। कंबोडिया के स्टेट सेक्रेटरियट ऑफ सिविल एविएशन (एसएससीए) ने शनिवार को थाईलैंड के साथ युद्ध क्षेत्रों के ऊपर से सभी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया। एसएससीए के सचिव सिन चान्सेरी बुथा ने बताया कि सभी एयरलाइंस को संघर्ष क्षेत्रों (जिसमें पोइपेट शहर, प्लिन प्रांत और सिएम रीप प्रांत का कुछ हिस्सा शामिल है) के ऊपर से उड़ान भरने से बचने के लिए कहा गया है।

सीरिया में असद के पतन के बाद पहली बार संसदीय चुनाव, सितंबर में होंगे मतदान

वॉशिंगटन, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्व राष्ट्रपति बशार अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया में पहली बार संसदीय चुनाव की घोषणा की गई है। यह चुनाव 15 से 20 सितंबर 2025 के बीच कराए जाएंगे। इस बात की पुष्टि पीपुल्स असेंबली चुनाव की उच्च समिति के अध्यक्ष मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने की, जिनका बयान सरकारी समाचार एजेंसी साना ने जारी किया।

यह चुनाव दिसंबर 2024 में बशार अल-असद के शासन के गिरने के बाद स्थापित नई अंतरिम सरकार के अधीन पहली बार होंगे। उस समय सीरिया में एक तेज और अप्रत्याशित विद्रोही हमले में असद शासन का पतन हुआ था।

इस नई संसद की रूपरेखा में 210 सदस्य होंगे, जिसमें 70 सदस्य अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शराहा द्वारा नियुक्त किए जाएंगे। जबकि शेष 140 सदस्य प्रांतवार चुनावी कॉलेजों द्वारा चुने जाएंगे, जैसा कि चुनाव समिति के एक अन्य सदस्य हसन अल-दाघिम ने बताया।

मार्च 2025 में हस्ताक्षरित अस्थायी संविधान के अनुसार, यह संसद एक पीपुल्स कमेटी के रूप में कार्य करेगी जब तक कि स्थायी संविधान लागू नहीं हो जाता और आम चुनाव नहीं होते, यह प्रक्रिया कई वर्षों तक चल सकती है।

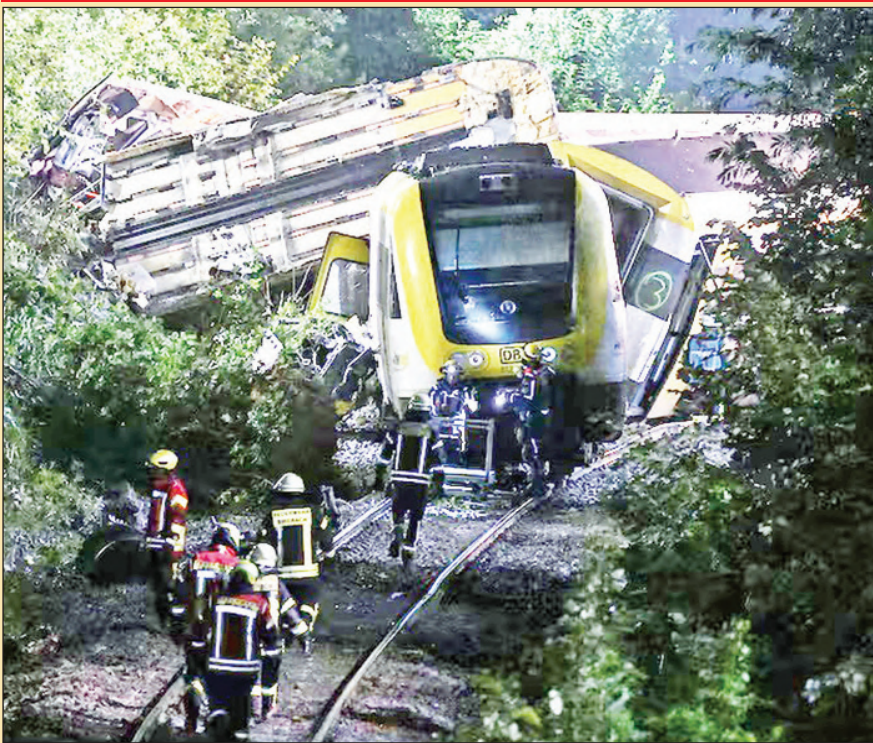
यह चुनाव उस समय घोषित किए गए हैं जब देश में नए शासकों को लेकर असंतोष और विभाजन गहराता जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी सुवेदा प्रांत में भयंकर सांप्रदायिक हिंसा हुई, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। इस हिंसा की शुरुआत सशस्त्र बेदुईन कबीले और ड्रुज अल्पसंख्यक लड़ाकों के बीच अपहरण की घटनाओं से हुई। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर सरकारी बलों ने हस्तक्षेप किया, लेकिन उन पर बेदुईन पक्ष का साथ देने के आरोप लगे।



रुस लगातार कर रहा कीव पर हमले, अब अमेरिका यूक्रेन को देगा 33,000 खतरनाक ड्रोन

कीव। रुस और यूक्रेन युद्ध जारी है और दोनों देश एक दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की ने शांतिवार्ता का प्रस्ताव दिया था लेकिन पुतिन ने साफ कह दिया कि वह अपने लक्ष्य से भटकने वाले नहीं हैं। इसके बाद रूसी सेना ने एक बार फिर सोमवार को यूक्रेन की राजधानी कीव पर जोरदार हमला बोला, जिसमें 5 लोग घायल हो गए और एक रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को पूर्वी यूक्रेन के सुमी क्षेत्र में रूस की सीमा के पास रूसी ड्रोन ने एक यूक्रेनी बस पर हमला किया जिसमें 39 लोग सवार थे। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 19 घायल हो गए थे। शनिवार को सुमी के एसमान इलाके में एक बारूदी सुरंग विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग फ़टलाइन डोनेत्स्क क्षेत्र में रूसी हमलों में मारे गए। अधिकारियों के मुताबिक उस दिन पूरे यूक्रेन में हुए हमलों में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई। रविवार को यूक्रेन ने भी रूस पर ड्रोन हमले किए। लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर ने बताया कि सेंट पीटर्सबर्ग के आसपास के इलाकों में यूक्रेन के कम से कम 10 ड्रोन मार गिराए। गिरे हुए मलबे की चपेट में आकर एक महिला घायल हो गई। हमले में सेंट पीटर्सबर्ग के पुलकोवो हवाई अड्डे को बंद करना पड़ा और 57 उड़ानों में देरी हुई और 22 उड़ानों को अन्य हवाई अड्डों की ओर मोड़ा गया। इस बीच, क्रैमलिन ने पुष्टि की कि सेंट पीटर्सबर्ग में हर साल आयोजित होने वाली बड़े पैमाने पर टेलीविजन पर प्रसारित होने वाली नेवी डे परेड को सुरक्षा कारणों से रद्द कर दिया गया है। हालांकि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग के नेवी हेडक्वार्टर्स से प्रशांत महासागर, आर्कटिक, बाल्टिक और कैस्पियन सागर में 150 जहाजों और 15,000 सैन्य कर्मी अभ्यास करते हुए नजर आए। वहीं अमेरिका यूक्रेन को इस साल के अंत तक 33,000 एआई से संचालित ड्रोन फिटस मिलेंगी। यह आपूर्ति अमेरिकी रक्षा विभाग और अमेरिका-जर्मनी की सॉफ्टवेयर कंपनी ऑटोरियन के बीच हुए नए समझौते के तहत की जाएगी।

बचाव के काम में लगे आपदा कर्मचारी



जर्मनी में एक लोकल ट्रेन के पलटने के बाद आपदा राहत दल के कर्मचारी बचाव के काम में लगे हुए।

पाकिस्तान में चीन के इंजीनियरों पर हमला करने वाले टीटीपी के तीन आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अधिकारियों ने पिछले साल नवंबर में चीन के इंजीनियरों पर हुए हमले में शामिल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। तीनों को आज सुबह कराची के मंघोपीर इलाके में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान मार गिराया गया।

आतंकवाद निरोधी विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आजाद खान ने कहा कि चीन के इंजीनियरों पर हमले का मास्टर माइंड जफरान अपने दो साथियों के साथ कराची के मंघोपीर इलाके के एक घर में छुपा था। खुफिया एजेंसियों के कर्मियों और आतंकवाद-रोधी अभियान में शामिल जवानों ने तीनों को घेरकर मौत के घाट उतार दिया।

इस अधिकारी के अनुसार चीन के इंजीनियरों को पिछले साल पांच नवंबर को कराची की एक कपड़ा मिल में एक निजी सुरक्षा गार्ड ने गोली मारकर घायल कर दिया था। जांचकर्तों को संदेह था कि यह लक्षित आतंकी हमला है। इस घटना के बाद भागे निजी सुरक्षा गार्ड के



खिलाफ दो दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। तत्कालीन डीआईजी (दक्षिण) सैयद असद रजा ने बताया कि एक सुपरवाइजर और तीन गार्डों ने पूछताछ में यह कबूल किया था कि हमले का मास्टरमाइंड टीटीपी का जफरान है।

दरअसल, नवंबर, 2022 में टीटीपी के सरकार के साथ युद्धविराम समझ

करने के बाद पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण की एक रिपोर्ट के अनुसार 2021 से 2024 तक मुल्क में हुए आतंकवादी हमलों में 20 चीनी नागरिक मारे गए और 34 घायल हुए।

पाकिस्तान में पलैश फ्लड में बही टीवी एंकर और उनका परिवार, तलाश जारी

बाढ़ प्रभावितों ने स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क को लेकर की सरकार की आलोचना

पाकिस्तान, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में रविवार को हाईवे पर पानी भर गया। पलेश फ्लड की चपेट में आई एक टीवी एंकर और उसके परिवार के लोगों समेत 15 की बह जाने की आशंका है। वहीं कई दिनों से प्रकृति की मार झेल रहे इस इलाके के विस्थापितों ने स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क पहुंच और संचार सेवाओं की गंभीर कमी की शिकायत की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ से प्रभावित खायमर की बाबूसर और थोर घाटियों में बचे लोगों ने कहा कि वे बाढ़ की चपेट में हैं, जिसमें कई लोग बेघर हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पलेश फ्लड से बाबूसर हाईवे पर अचानक पानी बढ़ गया



और इसमें 10 से 15 पर्यटक बह गए। अब तक निजी चैनल की टीवी एंकर उनके पति और चार बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, चिलास के मीनार

इलाके में सिंधु नदी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। माना जा रहा है कि यह महिला उन पर्यटकों में शामिल है जो बाबूसर हाईवे पर आई बाढ़ में बह गए थे।

खोजी कुतों और ड्रोन की मदद से बाकी लापता लोगों की तलाश की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक भारी मशीनरी का उपयोग करके मरम्मत कार्य जारी है, 15 स्थानों पर सड़क अवरुद्ध है और उनमें से 13 स्थानों पर मार्ग साफ कर दिया गया है। सोमवार को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया। गिलगित क्षेत्र में, दान्यौर नाले से आई अचानक बाढ़ के कारण मुख्य आपूर्ति पाइपलाइन और कई सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त होने के बाद, दान्यौर और सुल्तानाबाद इलाकों के हजारों निवासि लगातार तीन दिनों तक पीने के पानी के बिना रहे।

गिलगित के पूर्व मंत्री मुहम्मद इकबाल के नेतृत्व में क्षेत्र के बुजुर्गों ने कहा कि सरकार बार-बार आश्वासन के बावजूद बाधित जल आपूर्ति

बहाल करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि निवासियों ने पाइपलाइन को अस्थायी रूप से बहाल करने में कामयाबी हासिल की थी, लेकिन बाद में आई बाढ़ ने इसे नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है और सरकार को कार्रवाई के लिए चेतावनी दी है, कार्य नहीं किया तो विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस बीच, घांचे जिले के कोंडस और हल्दी के निवासियों ने भी राहत सामग्री, बिजली, पेयजल और सड़क मार्ग की कमी की शिकायत की।

वहीं कोंडस में हुए विनाशकारी भूस्खलन में 50 से ज्यादा घर बह गए, जिससे कई परिवार बेघर हो गए और उन्हें भोजन, आश्रय, चिकित्सा देखभाल, और आपातकालीन सेवाओं की जरूरत है। जुलुल और गिलगित-बाल्टिस्तान के अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों ने भी बुनियादी सुविधाओं की कमी की शिकायत की और सरकार की धीमी प्रतिक्रिया और समय पर राहत पहुंचाने में विफलता की आलोचना की।



के ओनद्रेज कोपेक्की (8254 अंक), ले स्ट्रास्की (8136 अंक) और के रिस्टो लिल्लेमेट्स (8107 अंक) ने, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

आज नागपंचमी

हिंदू धर्म में नागों का विशेष महत्व है। नागों की पूजा की जाती है। इन्हें समर्पित पर्व नागपंचमी पर्व बड़े ही श्रद्धा भाव के साथ मनाया जाता है। हर साल ये त्योहार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। नागपंचमी के दिन भगवान शिव की पूजा के साथ-साथ नागों की पूजा का महत्व है। इस दिन लोग नाग देवता की पूजा करते हैं, जिससे सर्प का भय न रहे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 29 जुलाई को पड़ रही है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 28 जुलाई की रात 11:24 से शुरू होकर 29 जुलाई की रात 12:46 तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा। यह त्योहार भगवान शिव और नागों की पूजा के लिए मनाया जाता है। इस दिन लोग नाग देवता की पूजा करते हैं और नाग मंदिरों में जाकर सांघों को दूध, दही, फल आदि चढ़ाते हैं। साथ ही कुंडली में काल सर्प दोष हो तो उससे निजात पाने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी का पर्व आता है। इसमें नाग देवता की विशेष रूप से पूजा-आराधना की जाती है। नाग देवता भगवान शिव के गले की शोभा को बढ़ाते हैं। हिंदू धर्म में नाग पंचमी का विशेष महत्व होता है। पौराणिक काल से ही सांघों को देवताओं की तरह पूजा जाता है। ऐसी मान्यता है कि नाग की पूजा करने से सांघों के डसने का भय समाप्त हो जाता है। भगवान भोलेनाथ के गले में भी नाग देवता लिपटे रहते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नाग पंचमी के दिन नाग देवता की आराधना करने से भक्तों को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और कई अन्य प्रकार के भी शुभ फल प्राप्त होते हैं। ऐसी मान्यता है इस दिन नाग देवता की पूजा करने से घर में



होते हैं। नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिव जी की पूजा करने से नाग के डसने और अकाल मृत्युव का खतरा टलता है। साथ ही भगवान शिव की पूजा से ग्रह दोष दूर होते हैं। विशेषतौर पर काल सर्प दोष से निजात पाने के लिए नागपंचमी का दिन सर्वोत्तम माना गया है। नागों को धन का रक्षक माना गया है। नाग देवता की पूजा करने से खूब धन-दौलत मिलती है। नागपंचमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। साथ ही भगवान शिव का स्मरण करें। नागपंचमी का व्रत कर रहे हैं तो व्रत का संकल्पव ले। इसके बाद चौकी पर नाग-नागिन की

प्रतिमा बनाकर उसका दूध से अभिषेक करें। उन्हें फल, फूल, मिठाइयां अर्पित करें। धूप-दीप करें। अंत में नाग पंचमी की आरती करें। यदि कुंडली में काल सर्प दोष हो तो शिवलिंग पर चांदी का नाग-नागिन का जोड़ा अर्पित करें। इससे काल सर्प दोष के कारण मिलने वाले अशुभ फल से निजात मिलती है।

नागपंचमी तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 28 जुलाई की रात 11:24 से शुरू होकर 29 जुलाई की रात 12:46 तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा। नाग पंचमी के पूजन का शुभ मुहूर्त सुबह 5:41 से सुबह 8:30 तक रहेगा। चौघड़िया का शुभ मुहूर्त सुबह 10:46 से दोपहर 12:27 तक रहेगा।

कालसर्प दोष

कालसर्प दोष दूर करने के लिए नागपंचमी पर नागों की पूजा को काफी लाभकारी माना जाता है। कालसर्प दोष दूर करने के लिए महामृत्युंजय सर्पगायत्री जाप अथवा त्रंबकेश्वर आदि तीर्थ स्थानों में सर्प पूजा का विधान है। ज्योतिषों का कहना है कि सर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति नाग पंचमी के दिन चांदी अथवा तांबे का सांघ का जोड़ा लेकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। ॐ नमः शिवाय अथवा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। इसके साथ ही सर्प गायत्री का जाप करें तो कालसर्प दोष राहत मिलती है।

नागपंचमी महत्व

नागपंचमी का त्योहार हिंदू धर्म में काफी मान्य है। इस दिन पूजा करने से सांघ या नागों से परिवार की सुरक्षा होती है। साथ ही उन्हें लेकर मन का भय समाप्त हो जाता है। जिस जातक की कुंडली में कालसर्प दोष है, उन्हें इसके कारण कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके लिए नागपंचमी के दिन पूजन करने से लाभ मिलता है।



नाग पंचमी पर काल सर्प दोष दूर करने का एक रामबाण उपाय!



ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अक्सर कुंडली में कई ऐसे दोष बन जाते हैं, जिनके कारण जीवन की शांति भंग हो जाती है और आए दिन परेशानियां बनी रहती हैं। इन्हीं दोषों में से एक है काल सर्प दोष, जिसे बहुत हानिकारक दोष माना जाता है। इस दोष के कारण व्यक्ति को जीवन के कई क्षेत्रों में मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। अक्सर लोग काल सर्प दोष को दूर करने के लिए कई उपाय करते हैं। अगर आप भी काल सर्प दोष से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो इसके लिए नाग पंचमी का दिन सबसे उत्तम है।

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में काल सर्प दोष दोष होता है तो वह हर समय परेशानियों से घिरा रहता है। साथ ही, वह जो भी काम करता है, उसमें सफलता नहीं मिलती है। इसके अलावा, काल सर्प दोष के कारण व्यक्ति को आर्थिक और शारीरिक, शिक्षा और संतान से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

काल सर्प दोष निवारण उपाय

काल सर्प दोष दोष से हमेशा के लिए मुक्त होने का सबसे आसान और रामबाण उपाय है काल सर्प दोष निवारण पूजा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, काल सर्प दोष को जितना ज्यादा समय हो जाता है, यह दोष उतना ही घातक होता जाता है, इसलिए जितना जल्दी हो सके इस दोष से मुक्ति पाने के लिए काल सर्प दोष

निवारण पूजा करवानी चाहिए।

काल सर्प दोष दूर करने का 1 रामबाण उपाय इस दोष के प्रभाव को कम करने के लिए आप कई उपाय कर सकते हैं जैसे कि काल सर्प दोष निवारण मंत्र का उच्चारण करना, शिवलिंग का दूध से अभिषेक करना, महादेव के मंदिर में पूजा पाठ करना आदि, लेकिन ये सभी उपाय करने से काल सर्प दोष का प्रभाव कम होगा। हालांकि, इस दोष से मुक्ति नहीं मिलेगी। अगर आप काल सर्प दोष दोष से हमेशा के लिए मुक्त होना चाहते हैं तो काल सर्प दोष निवारण पूजा ही इसका एकमात्र उपाय है।

काल सर्प दोष निवारण पूजा

काल सर्प दोष निवारण पूजा भगवान शिव जी प्रसन्न करने के लिए की जाती है, क्योंकि सर्पों का निवास भगवान शिव जी के गले में होता है। काल सर्प दोष निवारण पूजा पूरी करने के बाद मात्र 1 ही दिन में आप इस दोष से मुक्ति पा सकते हैं। भारत की कई विशेष जगहों पर काल सर्प दोष निवारण पूजा कराने का महत्व होता है, लेकिन मध्य प्रदेश के उज्जैन को काल सर्प दोष निवारण पूजा के लिए सबसे उचित माना गया है, क्योंकि यहां स्वयं कालों के काल महाकाल के रूप में भगवान शिव जी विराजमान हैं। यदि आप उज्जैन में काल सर्प दोष निवारण पूजा करवाते हैं तो आपको शुभ परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

सपने में नाग देवता की मूर्ति देखने का क्या मतलब है?



अक्सर लोगों को सपने कई तरह से सांघ दिखते हैं, जिनका अलग-अलग मतलब होता है। लेकिन क्या आपको पता है कि अगर सपने में सांघ की मूर्ति आए तो क्या होगा? चलिए हम आपको बताते हैं सपने में सांघ की मूर्ति देखना कैसा है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में नाग देवता की मूर्ति देखना एक शुभ संकेत माना जाता है, जो कि भगवान शिव की कृपा का प्रतीक है। यह सपना धन, समृद्धि और सफलता का भी संकेत देता है। नाग देवता भगवान शिव के साथ जुड़े हुए हैं और सपने में उनकी मूर्ति देखना भगवान शिव के आशीर्वाद का संकेत हो सकता है। यह दर्शाता है कि आप भगवान शिव की भक्ति में लगे हुए हैं और उनकी कृपा आप पर बनी हुई है। नाग देवता को धन और समृद्धि का रक्षक भी माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के मुताबिक, सपने में नाग देवता की मूर्ति देखना धन, समृद्धि और सफलता का संकेत देता है। सपने में सांघ की मूर्ति देखना यह दर्शाता है कि आपको जल्द ही आर्थिक लाभ हो सकता है या धन की वृद्धि हो सकती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सपने में सांघ की मूर्ति देखना सफलता और सकारात्मक बदलाव का भी संकेत हो सकता है। यह सपना दर्शाता है कि आपके जीवन में कुछ अच्छा होने वाला है और आपके सारे रुके हुए काम पूरे होंगे। हिंदू धर्म में नाग देवता को सुरक्षा और सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में सपने में नाग देवता की मूर्ति देखना यह दर्शाता है कि आप सुरक्षित हैं और आपके किसी तरह का जीवन में कोई खतरा नहीं है।



नाग पंचमी के दिन घर में क्यों नहीं बनानी चाहिए रोटी? जानें इसके पीछे का रहस्य

नाग पंचमी श्रावण महीने का एक प्रमुख त्योहार है जो नाग देवताओं को समर्पित होता है। कहते हैं जो भी इस दिन नाग देवताओं की पूजा करता है उनके जीवन में सदैव सुख-समृद्धि बनी रहती है। इस साल ये त्योहार 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। इस दिन कई लोग रुद्राभिषेक भी कराते हैं। तो वहीं काल सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए भी ये दिन खास माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस खास दिन पर रोटी न बनाने की सलाह दी जाती है। चलिए जानते हैं इसके क्या कारण हैं।

नाग पंचमी पर रोटी क्यों नहीं बनानी चाहिए?

धार्मिक मान्यताओं अनुसार नाग पंचमी के दिन लोहे से बनी चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और ज्यादातर लोग रोटी बनाने के लिए लोहे के ही तवे का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए इस दिन रोटी न बनाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा तवे को सांघ के फन से भी जोड़कर देखा जाता है इसलिए भी नाग पंचमी के



दिन तवा आग पर नहीं रखा जाता। ऐसी मान्यता है कि इस दिन तवा अग्नि पर रखने से नाग देवता नाराज हो जाते हैं। नाग पंचमी के दिन रोटी न बनाने के पीछे का एक कारण ये भी है कि तवे को राहू के रूप में देखा जाता है। यदि नाग पंचमी के शुभ अवसर पर तवे का इस्तेमाल करते हैं तो इससे राहू दोष लग सकता है। जिससे जीवन में कई तरह की परेशानियों से गुजरना पड़ सकता है।

नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर इन चीजों को चढ़ाने से होता है धन लाभ!



हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल सावन माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, अगर इस दिन पर नाग देवता की पूजा-अर्चना की जाए, तो इससे व्यक्ति को महादेव की कृपा की प्राप्ति होती है और यह बहुत ही शुभ माना गया है। इसके अलावा, नाग पंचमी पर नाग देवता और भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से काल सर्प दोष से भी राहत मिलती है।

नाग पंचमी 2025

पंचांग के अनुसार, नाग पंचमी हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। इस साल नाग पंचमी तिथि 28 जुलाई को रात 11:24 मिनट पर शुरू होगी

और इसका समापन 30 जुलाई को सुबह 12:46 मिनट पर होगा। ऐसे में इस साल नाग पंचमी का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा।

नाग पंचमी पर धन लाभ के लिए शिवलिंग पर क्या चढ़ाएं?

दही:- ऐसा माना जाता है कि नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर दही चढ़ाने से ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है और इसे बेहद शुभ माना जाता है। कहते हैं किससे भगवान शिव की कृपा से धन संबंधी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

शहद:- भगवान शिव को शहद प्रिय होता है। धार्मिक मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर शहद चढ़ाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और कर्ज की समस्या से भी छुटकारा मिलता है।

गंगाजल:- धर्म शास्त्रों के अनुसार, गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करने से मानसिक शांति मिलती है। ऐसा माना जाता है

कि शिवलिंग का गंगाजल से अभिषेक करने पर व्यक्ति को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।

काले तिल:- शिव पूजन में काले तिल का विशेष महत्व माना जाता है। ऐसे में नाग पंचमी के दिन भगवान शिव को काले तिल अर्पित करने से आर्थिक तरक्की के साथ जीवन की कई बाधाएं दूर होती हैं।

गाय का घी:- भगवान शिव को गाय का घी प्रिय है। धार्मिक मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर गाय का घी चढ़ाने से रोगों से मुक्ति मिलती है और आर्थिक तरक्की के रास्ते खुलते हैं। साथ ही, कर्ज से मुक्ति मिलती है।

गन्ने का रस:- नाग पंचमी के दिन शिवलिंग का गन्ने का रस चढ़ाना अत्यंत शुभ और लाभकारी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नाग पंचमी के दिन शिवलिंग का गन्ने के रस चढ़ाने से धन लाभ के योग बनते हैं और आर्थिक स्थिति सुधरती है।

धनुष ने एक्टिंग स्कूल से बचने के लिए रखा था उपवास, लेकिन बन गए सुपरस्टार!

म शहर अभिनेता धनुष आज पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना चुके हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस अभिनय के लिए आज उन्हें इतना प्यार मिलता है, कभी उनके लिए यह एक बोझ की तरह था। अभिनय से बचने के लिए वह तरह-तरह के बहाने बनाते थे और जब वह बहाने काम नहीं आते तो भगवान की शरण में जाकर उपवास तक रखते थे, ताकि वह एक्टिंग स्कूल जाने से बच सकें। ये किस्सा उनकी जिंदगी के सबसे दिलचस्प पलों में से एक है।

धनुष का असली नाम वेंकटेश प्रभु कस्तूरी राजा है। उनका जन्म 28 जुलाई 1983 को तमिलनाडु के चेन्नई में हुआ था। वह एक फिल्मी परिवार से आते हैं। उनके पिता कस्तूरी राजा और उनके बड़े भाई सेल्वाराघवन एक प्रसिद्ध निर्देशक हैं।

फिल्मी घराने से होने के बावजूद उन्हें अभिनय से बिल्कुल भी प्यार नहीं था। वह बचपन में एक्टिंग से दूर भागते थे। उनकी दिलचस्पी कुकिंग में थी। वह शेफ बनना चाहते थे। जब उनके परिवार ने उन्हें एक्टिंग स्कूल भेजने की बात की, तो उन्होंने इसका विरोध

किया और खाना तक छोड़ दिया।

एक्टिंग स्कूल से



बचने के लिए वह उपवास तक रखने लगे थे। मगर, किस्मत को कुछ और

ही मंजूर था। परिवार के कहने पर धीरे-धीरे उन्होंने एक्टिंग की दुनिया को अपनाया और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। धनुष ने

अपने करियर की शुरुआत साल 2002 में फिल्म थुलुवाधो इलमई से की, जिसे उनके पिता ने ही डायरेक्ट किया था। इसके बाद उन्होंने लगातार कई फिल्मों की, लेकिन 2006 में आई फिल्म पुधुपेट्टई से उन्हें खास पहचान मिली। इस फिल्म का निर्देशन उनके भाई ने किया था और इसमें उन्होंने गैंगस्टर की भूमिका निभाई थी।

2011 में रिलीज हुई फिल्म आदुकलम उनके करियर में अहम मोड़ साबित हुई। इसमें उन्होंने एक मुर्गा लड़ाने वाले युवक की भूमिका निभाई थी और इसके लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवार्ड मिला। इसी साल उन्होंने एक गाना गाया व्हाई दिस कोलावेरी डी, जो इंटरनेट पर बहुत वायरल हुआ। इसे सिर्फ 6 मिनट में लिखा गया और 35 मिनट में रिकॉर्ड किया गया था। यह गाना भारत का पहला यूट्यूब हिट बन गया, जिसे 100 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया।

2013 में धनुष ने हिंदी फिल्म रांझणा से बॉलीवुड में कदम रखा। इसमें उन्होंने बनारसी लड़के का किरदार निभाया और अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया। इसके बाद उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म शमिताभ, सारा अली खान और अक्षय कुमार के साथ अतरंगी रे जैसी हिंदी फिल्मों भी कीं। धनुष ने साउथ सिनेमा में कई सुपरहिट फिल्मों दी हैं, जिनमें मारी, कोडी, वाडा चेन्नई, वेलैल्ला पट्टाधारी, असुरन, और कर्णन जैसी फिल्मों शामिल हैं। 2019 में आई फिल्म असुरन में उन्होंने एक गरीब किसान का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें एक बार फिर नेशनल फिल्म अवार्ड मिला। सिर्फ साउथ और बॉलीवुड ही नहीं, धनुष ने 2022 में हॉलीवुड फिल्म द ग्रे मैन में भी काम किया, जिसमें उन्होंने रयान गॉसलिंग और क्रिस इवॉस जैसे स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर की।

धनुष आज के समय में सिर्फ तमिल सिनेमा में ही नहीं, बल्कि पूरे भारतीय और ग्लोबल फिल्म जगत में एक बड़ा नाम हैं। वह अपनी सादगी, मेहनत और टैलेंट की वजह से लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

जब हंटर 2 के सेट पर अचानक आई भीड़, तो सुनील शेड्डी ने... मजेल व्यास ने सुनाया किस्सा

अभिनेत्री मजेल व्यास ने हंटर 2 की शूटिंग से जुड़ा एक यादगार अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया कि थाईलैंड में शूटिंग के दौरान भीड़भाड़ को देखते हुए को-स्टार सुनील शेड्डी ने मदद की थी और उनका पूरा ध्यान रखा था। मजेल व्यास ने बताया कि दिग्गज अभिनेता सुनील शेड्डी के साथ काम करना उनके लिए बहुत खास रहा। उन्होंने एक किस्से को याद करते हुए कहा, "हम थाईलैंड में शूटिंग कर रहे थे, तभी अचानक लोगों की भीड़ वहां आ गई। उस वक्त सुनील सर मुझे सुरक्षित जगह तक ले गए। उन्होंने न सिर्फ मेरी सुरक्षा की, बल्कि अपना पानी और खाना भी मेरे साथ बांटा। वो सच में बहुत अच्छे इंसान हैं।

उन्होंने कहा, किसी भी एक्टर को बहुत कम मौके मिलते हैं, जब वह दो बड़े सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर

पाए। अगर मुझे सुनील शेड्डी और जैकी श्रॉफ के साथ काम करने के अपने अनुभव को एक लाइन में कहना हो, तो यह मेरे लिए मास्टरक्लास की तरह था। जैकी श्रॉफ के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, जैकी सर बहुत ही सहज और दिलकश इंसान हैं। उनके अभिनय में एक सस्पेंस जुड़ा होता है। आप कभी नहीं जान पाते कि वह अगले सीन में क्या करेंगे, इसलिए हमेशा अलर्ट रहना पड़ता है।

मजेल ने कहा, जैकी सर के साथ काम करना मजेदार अनुभव था, वो खुद में एक किरदार हैं। जब भी कोई भावनात्मक सीन होता, तो उससे पहले वो माहौल को हल्का करने के लिए मजाक कर देते और कहते, रेडी है भि? उनकी ये भिड़ वाली एनर्जी सेट पर हमेशा मस्ती और जोश बनाए रखती थी। मजेल ने कहा, हम दोनों खाने के

शौकीन हैं, इसलिए मेरी उनसे अच्छी दोस्ती हो गई। मैं गुजराती हूं और जैकी सर भी आंशिक रूप से गुजराती हैं, तो मैंने उन्हें कुछ पारंपरिक गुजराती स्नैक्स दिए, जो उन्हें बहुत पसंद आए।

मजेल ने आगे कहा, वहीं दूसरी ओर, सुनील सर बहुत शांत, गंभीर और गहराई से भरे हुए इंसान हैं। उन्हें काम करते देखना और उनका तरीका समझना एक बड़ी सीख थी। सबसे बड़ी बात मैंने सुनील सर और जैकी सर दोनों से सीखी, वो यह है कि चाहे आप कितने भी आगे क्यों न बढ़ जाएं, हमेशा जमीन में जुड़े रहना चाहिए और लगातार अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करते रहना चाहिए। आपको हमेशा सीखते रहना चाहिए। मैं ये सीख अपने जीवन में उतार चुकी हूं। हंटर 2 : टूटेगा नहीं, तोड़ेगा मैं मजेल व्यास पूजा नाम का किरदार निभा रही हैं।



एक्शन-ड्रामा से भरपूर नई वेब सीरीज के लिए शिवांगी वर्मा उत्साहित, कहा- मेरा किरदार करेगा सरप्राइज

तेरा इश्क

मेरा फितूर, छोटी सरदारानी और बैडएस रविकुमार जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकी एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा जल्द ही नई वेब सीरीज में नजर आएंगी, जिसे हिस्सा बनकर वेब पर उल्हासित हैं। यह सीरीज प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

एक्शन, ड्रामा, प्यार और कई ट्विस्ट्स हैं। शिवांगी ने

कहा, मैं इस नई सीरीज का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मेरा किरदार बहुत ही मजेदार, मुश्किल भरा और चुनौतीपूर्ण है। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, वरना कहानी का राज खुल जाएगा। यह सीरीज एक्शन, ड्रामा, प्यार और सरप्राइज से भरपूर है। आप देखकर हैरान होंगे कि एक लड़की मुश्किल हालात में क्या-क्या कर सकती है।

उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके लिए खास है। शिवांगी ने बताया, मैं हमेशा से वेब सीरीज की फैन रही हूं। यह एक्टिंग का ऐसा माध्यम है, जो भावनाओं और किरदार के विकास को गहराई से दिखाने का मौका देता है। जब मुझे इस कहानी के बारे में बताया गया, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। यह किरदार वैसा ही है, जैसा मैं निभाना चाहती थी - मजेदार और सरप्राइज से भरा।

शिवांगी ने को-एक्टर की तारीफ करते हुए कहा कि शानदार टीम के साथ काम करना इस प्रोजेक्ट को और बेहतर बनाता है। उन्होंने बताया, जब आपके साथ टैलेंटेड और अनुभवी कलाकार हों, तो स्क्रीन पर केमिस्ट्री साफ दिखती है। यह पूरी सीरीज को खास बना देता है। उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बताने से इनकार किया, हालांकि थोड़ा हिंट देते हुए कहा, मेरा लुक ग्लैमरस और आकर्षक है। यह सीरीज एक मसाला जॉनर है, जिसमें हर तरह का मनोरंजन है।



सात समंदर पार से आई एली अवराम जिन्होंने हिम्मत के बूते सपने किए साकार

एली अवराम हिंदी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनकी खूबसूरती, नृत्य कौशल, और दिलकश अदायगी ने दर्शकों का दिल जीता। फिल्म 'किस किस को प्यार करूँ' और टीवी शो 'बिग बॉस' ने अभिनेत्री को फेम दिलाया। कुछ फिल्मों में काम भी किया जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पाई लेकिन दर्शकों के दिल में घर कर गईं। 29 जुलाई 1990 को स्वीडन के स्टॉकहोम में जन्मी एली अवराम को बचपन से ही डांस और एक्टिंग में रुचि थी। उन्हें स्वीडिश-ग्रीक अभिनेत्री भी कहा जाता है।

एली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 14 साल की थीं तो शाहरुख खान की 'देवदास' देखी। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने टूरिस्ट वीजा के लिए अप्लाई किया, मुंबई आई, और हिंदी न जानते हुए भी अपने सपने को हकीकत में बदला। हिंदी सीखने के लिए कड़ी मेहनत भी की। 10 साल से ज्यादा का सफर हिंदी सिनेमा में तय करने के बाद, आज अभिनेत्री बहुत अच्छी हिंदी बोलती है।

एली जब बॉलीवुड में आईं तो उनकी तुलना मशहूर अभिनेत्री कैटरीना कैफ से भी की गई। अभिनेत्री ने एक्टर मनीष पॉल के साथ फिल्म 'मिनी वायरस' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उनकी मासूमियत और अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। साल 2013 में 'बिग बॉस 7' में हिस्सा लेकर खूब सुर्खियां बटोरें। उनकी सादगी और सलमान खान के साथ दोस्ताना बॉन्ड ने उन्हें चर्चा में ला दिया। कुछ समय तक उनके और सलमान के बीच लिंकअप की अफवाहें भी उड़ीं, जिन्हें एली ने हंसकर टाल दिया। शो के दौरान कई बार सलमान उनके साथ मजाकिए अंदाज में भी दिखे, जो दर्शकों के साथ ही साथ शो की टीआरपी के लिए भी काफी सफल माना गया।

एली अभिनेत्री होने के अलावा एक प्रशिक्षित बेली डांसर हैं, और ये सिलसिला वर्षों से जारी है। 17 साल की उम्र में वे स्टॉकहोम में परदेसी डांस ग्रुप की सदस्य बनीं, जहां वे बॉलीवुड गानों पर परफॉर्म करती थीं। उन्होंने 'किस किसको प्यार करूँ' और 'पोस्टर बॉयज' जैसे गानों में अपने डांस का जादू दिखाया।

2010 में एली ने मिस ग्रीस ब्यूटी कंटेस्ट में हिस्सा लिया, जिससे उनकी मॉडलिंग और एक्टिंग की राह और मजबूत हुई। हिंदी सिनेमा में एली उन अभिनेत्रियों में से हैं जो अपनी फिटनेस पर खासा ध्यान देती हैं। वह रोजाना आधा घंटा डांस करती हैं और घर का बना खाना पसंद करती हैं, जिससे वह अपनी सेहत और खूबसूरती को बनाए रखती हैं।

अभिनेत्री और यूट्यूबर आशीष चंचलानी की तस्वीरों ने हाल ही में डेटिंग की अफवाहें उड़ाईं। लेकिन, बाद में खुलासा हुआ कि यह उनके म्यूजिक वीडियो के लिए बस प्रमोशन का हिस्सा था। एली अवराम की मेहनत, प्रतिभा, और बॉलीवुड के प्रति उनका जुनून उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाता है।



धर्मस्थल सामूहिक दफन मामला

एसआईटी की जांच शुरू, गवाह और शिकायतकर्ता ने दर्ज कराए बयान

मेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार द्वारा नियुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) ने दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल गांव में सामूहिक दफनाने के भयावह आरोपों की आधिकारिक तौर पर जांच शुरू कर दी है। शनिवार को मेंगलूर में एसआईटी अधिकारियों के समक्ष एक गुमनाम शिकायतकर्ता के पेश होने के बाद जांच जोर-शोर से शुरू हो गई। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, शिकायतकर्ता, जिसने पहले पिछले दो दशकों में कई शवों को गुप्त रूप से दफनाने से जुड़े गंभीर आरोप लगाए थे, शनिवार को अपने कानूनी सलाहकार के साथ मल्लिकार्जुन स्थित इंटरलिंग्स ब्यूरो (आईबी) परिसर स्थित एसआईटी कार्यालय पहुंचा। आईबी कार्यालय के दो कमरे विशेष रूप से एसआईटी की गतिविधियों के लिए आरक्षित किए गए हैं। टीम ने शिकायतकर्ता से पूछताछ शुरू कर दी है और पूरी कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है। पुलिस



महानिदेशक (आंतरिक सुरक्षा प्रभाग) प्रणब मोहंती के नेतृत्व वाली एसआईटी टीम में डीआईजी एम एन अनुचेथ और पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार दयामा जैसे प्रमुख अधिकारी शामिल हैं।

मामले की प्रगति की निगरानी के लिए डीआईजी अनुचेथ मेंगलूर पहुंच गए हैं और उम्मीद है कि वे दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों के 20 से ज्यादा अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय आंतरिक बैठक करेंगे। धर्मस्थल, मुल्की और

बिंदूर के पुलिस थानों के कर्मियों को भी इसमें शामिल किया गया है।

शुक्रवार रात को, एसआईटी अधिकारी जितेंद्र दयामा ने संबंधित दस्तावेज एकत्र करने और थाने के उप-निरीक्षक समर्थ आर. गणिगर के साथ बंद कमरे में चर्चा करने के लिए धर्मस्थल पुलिस थाने का औचक दौरा किया। इस कदम को परेशान करने वाले दावों के पीछे की सच्चाई को उजागर करने में एसआईटी की गंभीरता का संकेत माना जा रहा है। इस मामले की शुरुआत एक

विस्फोटक गुमनाम शिकायत से हुई है जिसमें 1995 और 2014 के बीच धर्मस्थल और उसके आसपास महिलाओं और नाबालिगों सहित कई शवों को दफनाने का आरोप लगाया गया था। शिकायतकर्ता, जो एक पूर्व सफाई कर्मचारी है, ने दावा किया कि उसे शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। जिनमें से कुछ पर हमले के निशान थे। इसके बाद उन्होंने अपने दावों की पुष्टि करते हुए एक मजिस्ट्रेट के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत किया है। इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में, 1986 में उज्जरी से लापता हुई 19 वर्षीय लड़की पद्मलता की बहन ने एसआईटी द्वारा उसकी रहस्यमयी मौत की दोबारा जांच करने पर सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की है। पद्मलता अपने कॉलेज के वार्षिकोत्सव में शामिल होने के बाद लापता हो गई थी। बाद में उसके कंकाल के अवशेष मिले, जिसके हाथ-पैर बंधे हुए थे, जिससे किसी गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है।

उसकी बहन चंद्रावती ने नई उम्मीद जताई है कि लंबे समय से भुला दिए गए इस मामले को आखिरकार न्याय मिल सकता है। बढ़ती जन चिंता के बीच, कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी वार्ड विजयेंद्र ने निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का आह्वान किया है। मीडियामकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आनी ही चाहिए, साथ ही क्षेत्र के सामाजिक सौहार्द की रक्षा और इस मुद्दे का दुष्प्रचार के लिए दुरुपयोग रोकने के प्रयास भी होने चाहिए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा हम साजिशों से वाकिफ हैं। अगर इस जगह की पवित्रता भंग होती है, तो हमें उसी के अनुसार जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। अब एसआईटी आधिकारिक तौर पर जमीन पर है और पिछले रिकॉर्ड और गवाहियों को खंगाल रही है, तटीय क्षेत्र के नागरिक इस क्षेत्र के सबसे संवेदनशील और रहस्यमय मामलों में से एक को कानूनी नजरिए से देख रहे हैं।

भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित



उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिले में शनिवार की रात तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ। कलियानपुर स्थित मिलग्रस कॉलेज की छत की चादरें तेज

हवा के कारण पूरी तरह उड़ गईं। इस घटना में पूरी चादर ढह गई। कॉलेज के प्राचार्य और प्रशासन के सदस्यों ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। इसके अलावा, ब्रह्मवार क्षेत्र में

गुंडमी बार के पास एक पेड़ गिर गया, जिससे ब्रह्मवार-हेबरी मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गया। मौसम विभाग ने पहले ही जिले में तेज हवाओं और भारी बारिश की चेतावनी जारी कर दी थी।

महिला पुलिस अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार करने वाला गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में रात्रि गश्त पर तैनात एक महिला पुलिस अधिकारी ने संदिग्ध व्यवहार कर रहे एक व्यक्ति को रोका और पूछताछ की। पूछताछ के दौरान, उसने कथित

तौर पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया, अधिकारी पर हमला करने का प्रयास किया और उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डाली। आरोपी की पहचान उडुपी तालुका के कोवूर

गाँव के जुमादीनगर निवासी सागर (25) के रूप में हुई है। मणिपाल पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया और उडुपी अदालत में पेश किया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जमीन विवाद में कांग्रेस नेता की बेरहमी से हत्या

बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

कनकपुरा तालुका के शनिचरूर के पास एक ढाबे में जमीन विवाद को लेकर शनिवार रात एक कांग्रेस नेता की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

हत्या किए गए कांग्रेस नेता नंदीश (45) होंगानिडोड़ी गांव के निवासी हैं। वह कनकपुरा तालुका की अच्छू ग्राम पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष हैं। रात करीब 8:30 बजे, नंदीश कनकपुरा के शनिचरूर रोड स्थित आरके ढाबे



पर बैठे थे। उसी समय चार-पाँच लोग अंदर घुस आए, उन पर चाकूओं से हमला कर दिया और फरार हो गए। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती

कराया गया। बिना इलाज के ही रात 12:30 बजे उनकी मौत हो गई। शनिचरूर में एक जमीन के टुकड़े को लेकर नंदीश और एक व्यक्ति के बीच चार-पाँच दिन पहले झगड़ा हुआ था। पुलिस को शक है कि यह हत्या इसी सिलसिले में हुई होगी। खबर मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया, जांच की, मामला दर्ज किया और हत्या कर फरार हुए आरोपियों की तलाश कर रही है।

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिले में अत्यधिक वर्षा और मछली आपूर्ति की कमी ने पिंजरो में मछली पालन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, जिससे पिंजरो में पाली जाने वाली मछलियों के लिए चारे का गंभीर संकट पैदा हो गया है। उडुपी और कुंदापुर तालुकों के कई मछुआरे पिंजरो में मछली पालन करते हैं। ट्रॉल पर जारी प्रतिबंध और खराब मौसम के कारण गहरे समुद्र में मछली पकड़ना बंद होने से, ये मछुआरे - जिनमें से कई पिंजरो में मछली पालन को एक अतिरिक्त व्यवसाय के रूप में अपनाते हैं - पर्याप्त मछली चारा जुटाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

मई से, इस क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है, जिससे नावों का समुद्र में जाना मुश्किल हो गया है, जिससे मछलियों की उपलब्धता में भारी गिरावट आई



है। परिणामस्वरूप, मछुआरे पिंजरो में पल रही मछलियों को पर्याप्त चारा नहीं दे पा रहे हैं। आमतौर पर, पिंजरो में पाली जाने वाली मछलियों को स्थानीय रूप से उपलब्ध मछली की प्रजातियाँ जैसे कि बुधार्थी (सार्डिन) और नदी की मछलियाँ खिलाई जाती हैं। मछली के अपशिष्ट का भी आमतौर पर चारे के रूप में उपयोग किया जाता है, जो मछलियों के स्वास्थ्य विकास में मदद करता है। इस क्षेत्र में, विशेष

रूप से उडुपी और कुंदापुर के मुहाने के पानी में, लाल स्नेपर (केम्बरी) और समुद्री बास जैसी प्रजातियों का पालन आमतौर पर पिंजरो में किया जाता है। स्थानीय मछली पालकों का कहना है कि ये समुद्री मछलियाँ व्यावसायिक रूप से तैयार किए गए दाने वाले चारे का सेवन नहीं करतीं, जिससे उनका रखरखाव महंगा हो जाता है। चूँकि ज्यादातर पिंजरे में बंद किसान पारंपरिक मछुआरे भी हैं, इसलिए वे पिंजरो में बंद मछलियों

को खिलाने के लिए नदियों और समुद्र से पकड़ी गई छोटी मछलियों पर निर्भर रहते हैं। इससे आमतौर पर उनका खर्च कम हो जाता है।

हालाँकि, मानसून और चक्रवाती मौसम के दौरान, जब मछली पकड़ने की यात्राएँ रुक जाती हैं, तो किसान चारा प्राप्त करने में असमर्थ होते हैं। ट्रॉलिंग पर वर्तमान में प्रतिबंध के कारण, बड़ी नावें अभी भी खड़ी हैं। हालाँकि देशी नावों को अनुमति है, लेकिन खराब मौसम के कारण वे बाहर नहीं जा पा रही हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है।

चारे की इस कमी के कारण, किसान अब पैकेट वाली मछलियाँ (संरक्षित या जमा हुआ चारा) खरीदकर स्टॉक करने को मजबूर हैं, जिससे उनका आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। बिंदूर के एक मछली पालक ने बताया अगर

पिंजरे में बंद मछलियों को ठीक से खाना नहीं दिया जाता है, तो उनकी वृद्धि रुक जाती है, जिससे नुकसान होता है। आमतौर पर, मछलियाँ छोटी मछलियों के रूप में स्टॉक में आने के एक साल बाद बाजार में उपलब्ध हो जाती हैं। हालाँकि, मानसून के दौरान चारे की कमी के कारण, यह अवधि लगभग 18 महीने तक बढ़ जाती है। मुहाना क्षेत्रों में, रेड स्नेपर और सी बास की छोटी मछलियों को नियमित रूप से चारा देकर पिंजरो में पाला जाता है। लेकिन जब मुहाना में अत्यधिक वर्षा और बाढ़ जैसी स्थिति होती है, तो पानी का दबाव कभी-कभी पिंजरों को समुद्र में बहा ले जाता है, जिससे भारी नुकसान होता है। हर साल, भारी बारिश के दौरान तेज धार-1ओं के कारण हमारे कुछ पिंजरे बह जाते हैं।

बारिश से नवादा जलमग्न: अस्पताल, कोर्ट और मंदिर तक में भरा पानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

नवादा (एजेंसियां)।

रविवार देर रात और सोमवार सुबह हुई मूसलधार बारिश ने नवादा नगर परिषद की तैयारियों की पोल खोल दी। महज कुछ घंटों की बारिश ने पूरे शहर को जलमग्न कर दिया।

मुख्य सड़कें, सरकारी कार्यालय, अस्पताल, मंदिर और रिहायशी इलाके पानी में डूब गए, जिससे जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया।

बारिश के बाद वीआईपी कॉलोनी, हरिश्चंद्र स्टेडियम, स्टेशन रोड, कदमकुआं चौक, विजय बाजार, मेन रोड, साहेब कोठी रोड, भादौनी, गोंदापुर, डोभरा पर, मिर्जापुर और शिवनगर समेत दर्जनों मोहल्लों में भारी जलजमाव देखा गया। समाहरणालय परिसर और अनुमंडल कार्यालय में पानी भरने से प्रशासनिक कार्य बुरी तरह



प्रभावित हुए।

सबसे चिंताजनक स्थिति सदर अस्पताल की है, जहां पानी वार्डों तक पहुंच गया है। एक्स-रे रूम, रजिस्ट्रेशन काउंटर और देवा वितरण केंद्र तक जलमग्न हो चुके हैं। मरीजों और उनके परिजनों को गंदे पानी में खड़े होकर इलाज

कराना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में गंदगी और बदबू के कारण संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। वार्ड संख्या 05 स्थित बुधौल के देवी मंदिर में नाली का पानी भर जाने के बावजूद श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते नजर आए।

वहीं, वार्ड संख्या 21 की एक गली में जलजमाव के कारण प्रमोद कुमार के घर में पानी घुस गया। स्थानीय लोग बाटोटी और मटका लेकर अपने-अपने घरों से पानी निकालते दिखे।

जलजमाव के चलते मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है।

डॉक्टरों ने डेंगू, मलेरिया और डायरिया जैसे मच्छरजनित और जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका जताई है। सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने आमजन को सतर्क रहने और स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी है।

स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि हर साल मौसम से पहले दावे तो खूब किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस इंतजाम नहीं होता। नागरिकों का कहना है कि जब कोर्ट, अस्पताल और मंदिर तक जलमग्न हो जाएं, तो आम लोगों की तकलीफ कौन सुनेगा?

नागरिकों ने जिला प्रशासन से तत्काल राहत कार्य शुरू करने, जलनिकासी की व्यवस्था सुधारने और बीमारी से बचाव हेतु दवा छिड़काव, फॉगिंग और स्वास्थ्य शिविर लगाने की मांग की है।

सिंहेश्वर में तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब, नेपाल समेत कई जगहों से पहुंचे शिवभक्त

मधेपुरा (एजेंसियां)।

बिहार के मधेपुरा स्थित बाबा सिंहेश्वर नाथ धाम में सावन की तीसरी सोमवारी पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा इलाका हर-हर महादेव के जयघोष और भक्ति गीतों से गुंज उठा। रविवार की आधी रात के बाद से ही नेपाल, बंगाल, सीमांचल, मिथिलांचल के इलाकों से आए श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में जुटने लगी। रात डेढ़ बजे पट खुलते ही मंगला आरती के साथ बाबा के दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हो गया। सुबह से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा पर जल चढ़ाने के लिए उमड़ने लगे। एडीएम अरुण कुमार सिंह, एसपी प्रवेंद्र भारती, यातायात डीएसपी चेतनानंद झा समेत अन्य अधिकारियों और न्यास सदस्यों ने भी विधिवत सरकारी पूजा अर्पित की। पहले दो सोमवारी की तुलना में इस बार भक्तों की भीड़ रिकॉर्ड स्तर पर रही। अब तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु



जलाभिषेक कर चुके हैं और भक्तों का कारवां लगातार मंदिर पहुंच रहा है। मंदिर मार्ग लाल-पीले वस्त्रों में सजे कांवड़ियों से पट गया है। जगह-जगह स्थानीय युवाओं और सामाजिक संगठनों की ओर से सेवा शिविर लगाए गए हैं, जहां जलपान, भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। पूरे सिंहेश्वर में 135 स्थानों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। भीड़ नियंत्रण को

लेकर नाग गेट को बंद रखा गया। वहीं सुबह भीड़ के कारण दंड प्रणामी मार्ग को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा, लेकिन बाद में रास्ता खोल दिया गया।

श्रृंगी ऋषि सेवा फाउंडेशन, युवा संघ, नया सेवरा फाउंडेशन सहित कई सामाजिक संगठनों के स्वयंसेवक प्रशासन के साथ मिलकर दर्शन को सुगम और व्यवस्थित बनाने में जुटे हैं। लायंस क्लब की ओर से श्रद्धालुओं के बीच गंगाजल और 10 हजार श्रद्धालुओं के बीच बुनिया वितरित किया गया। वहीं धर्मशाला परिसर के पास श्रद्धालुओं को मुफ्त में पूरी-सब्जी भी परोसी गई।